हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 227, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 18 फरवरी, 2024 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

किसानों को हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का अवसर दे रही सरकार : सीएम योगी

राजभवन में 55वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2024 का शुभारंभ

लखनऊ। यूपी संभावनाओं वाला प्रदेश है। भारत की आबादी का 16 फीसदी हिस्सा अकेले यूपी में निवास करता है। उत्तर प्रदेश के पास भारत की कुल कृषि योग्य भूमि का मात्र 11 फीसदी है, लेकिन देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन का 20 फीसदी से अधिक शेयर उत्तर प्रदेश का है। उत्तर प्रदेश के अंदर किसान औद्यानिक फसलों के लिए मात्र 10 फीसदी कृषि योग्य भूमि का ही उपयोग करते हैं, जबकि 10 फीसदी भूमि में कृषि की कुल जीडीपी में 24 फीसदी शेयर औद्यानिक फसलों के माध्यम से किसानों व प्रदेश को प्राप्त होता है। यह दिखाता है कि अन्नदाता किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाना है तो परंपरागत खेती के साथ ही औद्यानिक फसलों को बढ़ाना होगा। इसी प्रोत्साहन के लिए प्रगतिशील किसानों को आज सम्मानित किया गया। इन किसानों ने ड्रैगन फ्रूट, स्ट्राबेरी, पुष्पों की खेती, पॉलीहाउस के माध्यम से नया करने का प्रयास किया है। डबल इंजन की सरकार किसानों को हर परिस्थिति में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। शनिवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ उन्होंने राजभवन में 55वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2024 का शुभारंभ किया। इसके बाद राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यह प्रदर्शनी तीन दिनों (17 से 19 फरवरी) तक चलेगी। सीएम ने यहां विभागीय अधिकारियों व किसानों से फलों-सब्जियों के बारे में जानकारी ली और इसके आयात-निर्यात के बारे में भी पूछा। राज्यपाल व सीएम ने स्मारिका का विमोचन भी किया।

सीएम ने राज्यपाल के प्रति जताया आभार- सीएम ने राज्यपाल के प्रति आभार जताया। बोले कि औद्यानिक फसलों में रुचि रखने वाले प्रगतिशील किसानों के लिए प्रतिवर्ष प्रदर्शनी के लिए राज्यपाल यह प्रांगण उपलब्ध कराती हैं। न केवल किसान, बल्कि लखनऊ समेत प्रदेश भर से आने वाले लोग भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप किसान की आमदनी को कई गुना बढ़ाना है और प्रदेश की जीडीपी में गांव, जनपद और प्रदेश का योगदान हो सके तो हमें इस क्षेत्र में और भी रूचि लेकर बढ़ना होगा। इससे न केवल आमदनी बढ़ाने, बल्कि विटामिन व पोषक तत्वों की दृष्टि से इन औद्यानिक फसलों के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाकर कुपोषण जैसी बीमारियों से लड़ने के लिए भी लोगों को तैयार कर पाएंगे। इस अवसर पर उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद आदि मौजूद रहे।

किसानों का किया गया सम्मान- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रगतिशील कृषकों का सम्मान भी किया। सम्मान पाने वाले किसानों में रायबरेली के विष्णुदत्त पांडेय, पीलीभीत के आयुष अग्रवाल, कन्नौज के विजेंद्र सिंह, मीरजापुर के रामजी दुबे, सहारनपुर की उषा उपाध्याय, बुलंदशहर के अनंत पोद्दार, चंदौली के बलवंत प्रसाद, आजमगढ़ के श्रीप्रकाश सिंह, प्रयागराज के इंद्रजीत पटेल आदि प्रमुख रहे।

श्रीराम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र मिला, पुलिस और एजेंसियां जांच में जुटीं

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र के पाल रेस्टोरेंट में श्रीराम मंदिर और बीकेटी थाने को बम से उड़ाने की धमकी भरे दो पत्र मिले हैं। पुलिस के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां इनकी जांच कर रही हैं। पत्र में जिस महिला का नाम व मोबाइल नंबर लिखा है, उसकी शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बीकेटी इंस्पेक्टर के मुताबिक, दो दिन पहले भी बरगदी पुलिया पर धमकी भरा पत्र मिला था। उस पत्र में भी उसी महिला के नाम व मोबाइल नंबर लिखा था। मामले की जांच की जा रही है। देवी-देवताओं की फोटो को एडिट कर आपत्तिजनक बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। हिंदू संगठन और करणी सेना ने बीकेटी पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। बीकेटी के रामपुर वार्ड निवासी सभासद विकास सिंह के मुताबिक स्वामी मुकेशानंद महराज के मुखार बिंदु से रामकथा नामक व्हाट्सएप ग्रुप में बीकेटी के हाजीपुर गांव निवासी युवक जुड़ा है। आरोप है कि युवक ने बजरंगबली की फोटो एडिट कर उसे आपत्तिजनक बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बीकेटी इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सभासद की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है।

बेरोजगारी आज देश का सबसे बड़ा मुद्दा : राहुल गांधी

वाराणसी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पहुंच चुकी है। आज उनकी यात्रा का यूपी में दूसरा दिन है। यात्रा को शुरू हुए 35 दिन हो चुके हैं। राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में चौथी बार हाजिरी लगाई। गोदौलिया से रथयात्रा रूट पर पहली बार कोई कांग्रेस नेता राजनीतिक यात्रा करेगा।

काशी में कांग्रेस नेता ने बाबा विश्वनाथ का लिया आशीर्वाद

पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी समेत किसी भी नेता ने बनारस में इस रूट पर कोई राजनीतिक यात्रा नहीं की है।

राहुल गांधी बोले- देश में नफरत और डर का माहौल है- वाराणसी में अपनी न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान मैंने कभी नफरत नहीं देखी। यहां तक कि भाजपा और आरएसएस के लोग भी यात्रा में आए। जैसे ही हमारे पास आए। उन्होंने हमसे अच्छे से बात की। यह देश तभी मजबूत होता है। जब हम साथ मिलकर काम करते हैं। देश को एक साथ लाना ही देश के प्रति सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश में नफरत और डर का माहौल है। वाराणसी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि देशभक्ति देश को एकजुट करना है। आज बेरोजगारी देश का सबसे बड़ा मुद्दा है। आगे कहा कि अरबपति जितना टैक्स दे रहा उतना ही एक गरीब भी दे रहा है। इसीलिए मैंने भारत जोड़ो यात्रा में न्याय शब्द जोड़ है।

वाराणसी से कांग्रेस का ऐसा रहा कनेक्शन- देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का बनारस से गहरा लगाव था। पं. नेहरू ने तो 1910 से 1950 तक बनारस की कई यात्राएं कीं। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनका बनारस आना जाना लगा रहता था। वहीं इंदिरा गांधी ने भी बनारस की राजनीतिक और धार्मिक यात्राएं की थीं। राहुल गांधी के परनाना पं. जवाहर लाल नेहरू पहली बार 1910 में अपने पिता पं. मोतीलाल नेहरू के साथ बनारस आए थे। इसके बाद 1921 में काशी विद्यापीठ के स्थापना समारोह में पहुंचे थे।

इसके बाद 1942 और 1946 में वह बनारस पहुंचे थे। आजादी के बाद बतौर प्रधानमंत्री पं. नेहरू 1950 और 1952 में काशी आए थे। राहुल की दादी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 1980 के चुनाव की बनारस यात्रा ऐतिहासिक थी। प्रो. सतीश कुमार राय ने बताया कि 31 दिसंबर 1979 की शाम आठ बजे उनकी सभा निर्धारित थी। वह 14 घंटे की देरी से एक जनवरी 1980 को सुबह 10 बजे पहुंचीं। बरसात भरी सर्द बावजूद के बाद भी जनता उनके इंतजार में डटी रही।

केजरीवाल ने जीता विश्वास प्रस्तावः केंद्र पर तंज, सीएम बोले- विधानसभा खत्म करना चाहते हैं ये लोग

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा से केजरीवाल सरकार ने विश्वास प्रस्ताव जीत लिया है। 54 वोटों को पाकर बहमत हासिल कर लिया है। सदन की कार्यवाही सोमवार 19 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले पर कहा कि हमें गिरफ्तार कर सकते हैं लेकिन हमारी सोच को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। आगे कहा कि दिल्ली में प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। 54 यहां मौजूद हैं। तीन बीमार, दो जेल में, दो शादी में, और एक बाहर हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चर्चा के दौरान कहा कि दिल्ली के अस्पताल में दवा को रोकने का काम भाजपा ने किया। दिल्ली वालों का पाप लगेगा। दिल्ली के अस्पताल में पर्ची बनाने वालों को हटा दिया गया। दिल्ली में फरिश्ते योजना को बंद कर दिया गया। 23 हजार लोगों को मुफ्त इलाज दिया। उन्होंने आगे कहा कि मुझे दुख होता है। दिल्ली सरकार हमारे पास है। लेकिन सेवा विभाग हमारे पास नहीं है। मैं अपने चपरासी तक का ट्रांसफर नहीं कर सकता। ये अधिकारी को धमकी दे रहे हैं। काम मत करो। यदि काम किया तो ईडी लगा देंगे। अधिकारी मेरे पास आ कर आईएएस आ कर रो रहे है। सीएम ने कहा कि आखिर ये हमें क्यों नहीं तोड़ पा रहे हैं। क्योंकि कुछ गलत नहीं किया है। ये हमे कुचलने के लिए दिन रात प्रयास कर रहे है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि पूरी दिल्ली में पानी और सीवर की समस्या हो रही है। दिल्ली सरकार ने 5000 हजार का बजट दिया। लेकिन वित्त विभाग बजट नहीं दे रहा। आतिशी हाई कोर्ट गई हैं। कोर्ट ने बजट देने को बोला है। लेकिन अभी तक नहीं दिया। पानी के गलत बिल आ रहे हैं। हमने प्रस्ताव पास किया। लेकिन ये होने नहीं दे रहें। हम प्रस्ताव पास करवा कर छोड़ेंगे। हमारे साथ करोड़ों लोग प्यार करते हैं। दिल्ली के स्कूलों में 18 लाख बच्चे पढ़ते हैं। लाखों लोगों को सरकारी अस्पतालों में सुविधा दे रहे हैं। हमारे साथ लोगों की दुआएं है। केजरीवाल को जेल में डाल सकते हैं। लेकिन हमारी दुआओं को जेल में नहीं डाल सकते। विधानसभा में चर्चा के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा शराब घोटाले का नाम लेकर आम आदमी पार्टी को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए मुफ्त बस सर्विस, मुफ्त बिजली पानी की सुविधा दी।

मुरैना में दुष्कर्म के आरोपी की पत्नी से किया गैंगरेप, फिर पेट्रोल डालकर जलाया, हालत गंभीर

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ दर्दनाक हैवानियत की घटना सामने आई है। एक महिला अपने पति पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला के घर समझौते के लिए गई थी। वहां उसके साथ तीन लोगों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। उसके बाद आरोपियों ने महिला के ऊपर पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जला दिया। महिला 80% से ज्यादा झुलस गई है। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां से उसे ग्वालियर रेफर किया गया है। मामला मुरैना जिले के अंबाह थाना इलाके की चांदपुर गांव का है। अंबाह थाना प्रभारी आलोक परिहार ने बताया कि पीड़ित महिला के पति पर रेप का आरोप है। आरोपी की पत्नी उस महिला से राजीनामा करने गई थी, जिसने पति पर आरोप लगाया है। इसी दौरान तीन लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ गैंगरेप किया। जब वह महिला भागने लगी तो दुष्कर्म का आरोपी लगाने वाली महिला समेत अन्य लोगों ने उसे पेट्रोल डालकर जला दिया। पीड़ित महिला ने बयान में बताया है कि उसके पति पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला समेत उसकी चाची और बाबा ने आग लगा दी। बताया जा रहा है कि जनवरी के महीने में महिला के पति पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। वह अभी जेल में था और हाल में ही जमानत

पर छूटकर आया है। पीड़ित महिला की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में एसपी अरविंद ठाकुर ने बताया कि मूल रूप से यह कहानी सामने आई है कि जो महिला जली है, उसका पति आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) के केस में जेल गया था। कुछ दिन पहले ही वह जेल से बाहर आया है। यह सामने आया है कि दोनों परिवारों में विवाद चला आ रहा है।

'जिसने पार्टी बनाई, उसे ही बाहर कर दिया', चुनाव चिह्न छीने जाने पर छलका शरद पवार का दर्द

मुंबई। शरद पवार महाराष्ट्र के बारामती पहुंचे। बारामती में मीडिया से बात करते हुए शरद पवार का पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न खोने का दर्द छलका। उन्होंने कहा कि जिसने पार्टी बनाई, उसे ही पार्टी से निकाल दिया गया। शरद पवार ने कहा कि यह फैसला कानून के अनुसार सही नहीं है और हम इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

शरद पवार का छलका दर्द- शरद पवार ने कहा कि 'ऐसा कभी नहीं हुआ कि जिसने राजनीतिक पार्टी बनाई, उसे ही पार्टी से बाहर कर दिया गया। ना सिर्फ ये ही पार्टी का चुनाव चिह्न भी छीन लिया गया। यह फैसला कानून के अनुसार सही नहीं है। हम इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हमें जनता की बीच अपनी पहुंच बढ़ाने की जरूरत है।' बीते दिनों चुनाव आयोग ने अजित पवार के गुट वाली एनसीपी को असली एनसीपी माना है। चुनाव आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह भी अजित पवार गुट को देने का आदेश दिया। चुनाव आयोग ने पार्टी के संविधान, बहुमत के आधार पर अपना फैसला सुनाया। हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने भी अजित पवार गुट के पक्ष में ही फैसला सुनाया था। शरद पवार ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बीते साल टूट गई थी एनसीपी- बीते साल 2 जुलाई को अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी के कई विधायक भाजपा और शिवसेना (शिंदे) के गठबंधन वाली सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार गुट के पास फिलहाल 41 विधायकों का समर्थन है, वहीं शरद पवार गुट के पास सिर्फ 12 विधायकों का समर्थन ही बचा हुआ है। शरद पवार गुट के पास चार लोकसभा सांसदों और अजित पवार गुट के पास एक सांसद का भी समर्थन है।

बारामती में भी चुनौती दे सकते हैं अजित पवार- शरद पवार का बारामती का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब ऐसी चचाएं हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में बारामती सीट पर सुप्रिया सुले के खिलाफ अजित पवार भी अपना उम्मीदवार उतार सकते हैं। बारामती सीट परंपरागत रूप से शरद पवार की राजनीति का गढ़ रही है और पहले शरद पवार और फिर उनकी बेटी सुप्रिया सुले बारामती से सांसद हैं। ऐसी भी चचाएं हैं कि अजित पवार, बारामती सीट से अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को चुनावी मैदान में उतार सकते हैं। बारामती सीट पर अजित पवार की चुनौती की चचाओं पर शरद पवार ने कहा 'लोकतंत्र में हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है और अगर कोई इस अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें शिकायत वाली कोई बात नहीं है।

नीतीश बोले- विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की, फायदा नहीं हुआ

पटना। विपक्षी एकता के अगुवा कहे जाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ आएं हैं, तब से वह लगातार इंडी गठबंधन पर हमलावर हैं। शनिवार को फिर से उन्होंने इंडी गठबंधन पर प्रतिक्रिया दी। इतना ही नहीं उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। दरअसल, मीडिया ने नीतीश कुमार से सवाल पूछा कि इंडी गठबंधन से आपके अलग होने के बाद कई अन्य दल भी इस गठबंधन से बाहर हो रहे हैं। इस सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम अलग हो गये हैं, बाकी दल क्या कर रहे हैं मुझे नहीं मालूम। हमने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। अब हम उनसे अलग हो गये हैं। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि हमने इस गठबंधन का नाम कुछ दूसरा सुझाया था लेकिन उनलोगों ने अपनी तरफ से इसका नाम रखा। वह लोग क्या करते हैं, वही जानें। इधर, औरंगाबाद और रोहतास में भारत छोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों के सवाल पर सीएम नीतीश कुमार ने कह कि उन्हें जो बोलना है वो बोलते रहें, उससे मुझे कोई मतलब नहीं है। नीतीश ने तंज कसते हुए कहा कि वह मीडिया में बने रहेने के लिये कुछ भी बोलते हैं। हमने बिहार में जाति आधारित गणना करवाई इसकी चर्चा नहीं करते हैं। हमारे कामों के बारे में कुछ नहीं बोलते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बड़ी जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि इसबार हमलोग बेहतर प्रदर्शन करेंगे और पिछली बार से अधिक संख्या में लोकसभा की सीट जीतेंगे।

कमलनाथ हो सकते हैं भाजपा में शामिल, छिंदवाड़ा के कार्यक्रम रद्द कर बेटे के साथ दिल्ली रवाना

उजाला, भोपाल/छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। उन्होंने शनिवार को अपना छिंदवाड़ा दौरा रद्द किया और भोपाल होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए। उनके साथ उनके सांसद बेटे नकुलनाथ भी दिल्ली जा रहे हैं। इस दौरे को लेकर प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। दिल्ली में शनिवार से भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हो रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेता दिल्ली में हैं। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि छिंदवाड़ा में कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ ने शुक्रवार को अपने समर्थकों के साथ बैठक की। उनसे भाजपा में जाने को लेकर रायशुमारी की गई। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं को बल मिल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जिन नेताओं से बात की है, उनमें गोविंद राय, विश्वनाथ ओकटे, दीपक सक्सेना और सुनील जायसवाल के साथ-साथ अरुणोदय चौबे और रामू टेकाम एवं अन्य नेता शामिल थे। इन नेताओं के साथ बंद कमरे में चर्चा के बाद अटकलों का बाजार गरमा गया है कि कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुल नाथ भाजपा में शामिल होने वाले हैं। हालांकि, कांग्रेस के छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने कहा कि यह सिर्फ चर्चा है। ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। कमलनाथ अपने बेटे नकुलनाथ के साथ दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। छिंदवाड़ा सांसद नकुल नाथ के सोशल मीडिया एक्स पर बायो से कांग्रेस हट गया है। इसी तरह कांग्रेस में कमलनाथ के समर्थकों ने भी अपने बायो से कांग्रेस हटा दिया है। कुछ करीबी नेताओं के तो फोन भी बंद हो गए हैं। वहीं, कमलनाथ के समर्थक सैयद जाफर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम कमलनाथ जी के साथ हैं। कमलनाथ जी जैसे वरिष्ठ, अनुभवी और राष्ट्रसेवा को समर्पित नेता जो फैसला लेंगे, उचित होगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ-साथ भाजपा के कई वरिष्ठ नेता कह चुके हैं कि कमलनाथ का पार्टी में स्वागत है। शर्मा ने कहा था कि कांग्रेस ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का विरोध किया। इस विरोध के चलते जिन कांग्रेसियों के मन में कोई पीड़ा है और वह भाजपा में शामिल होना चाहते हैं, तो उनके लिए दरवाजे खुले हुए हैं। उनका स्वागत है। इससे पहले पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने इंदौर में कहा था कि कमलनाथ भगवान राम का नाम लें और भाजपा में शामिल हो जाए। भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने कमलनाथ और नकुल नाथ की तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड की और लिखा जय श्री राम। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के कांग्रेस में शामिल होने को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। कुछ दिन पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का समय लिया था। इसके बाद से ही अटकलें तेज हो गई हैं कि वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव कमलनाथ के चेहरे पर लड़ा था। हार के बाद केंद्रीय नेतृत्व ने अचानक प्रदेश संगठन में बदलाव किया।

दिग्विजय बोले- सोनिया का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे कमलनाथ, उनके भाजपा में जाने का सवाल ही नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ जी से मेरी बात हुई है। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। भाजपा में जाने की बातें मनगढ़ंत है और मीडिया की बनाई हुई है। उन्होंने कहा कि कमलनाथ कभी भी सोनिया गांधी का साथ छोड़कर नहीं जा सकते। जो डर रहे हैं या बिक रहे हैं, वह भाजपा में जा रहे हैं। दरअसल, शनिवार को कमलनाथ ने छिंदवाड़ा के कार्यक्रम रद्द किए और उसके बाद भोपाल होकर दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली में इस समय भाजपा की बड़ी बैठक चल रही है। मध्य प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेता इस समय दिल्ली आए हुए हैं। ऐसे में कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ का अचानक दिल्ली रवाना होना, उनके भाजपा में शामिल होने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि जब से कमलनाथ को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाया है, तब से ही वे नाराज चल रहे हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यक्रमों में भी जाना कम कर दिया है। इस वजह से इन अटकलों को भी हवा मिल रही है। दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में कहा कि यह कोई प्लान नहीं है। कमलनाथ जी तो छिंदवाड़ा में है। मीडिया जब तक किसी बात को

सनसनीखेज नहीं बनाता, तब तक वह चलता नहीं है। जिस व्यक्ति ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत नेहरू-गांधी परिवार के पीछे खड़े होकर की थी। वह उस समय लड़ रहे थे, जब जनता पार्टी की सरकार इंदिराजी को जेल भेजना चाहती थी। क्या आप विचार भी कर सकते हो कि ऐसा आदमी सोनिया गांधी के परिवार या कांग्रेस को छोड़कर जाएगा।

संपादकीय

नफरत का अमेरिका

भले ही लाखों भारतीय युवाओं के लिये अमेरिका एक सुनहरे सपनों का देश हो, लेकिन नये साल की शुरूआत में पांच प्रतिभावान भारतीय छात्रों की मौत बताती है कि वहां जमीनी हकीकत खासी कंटीली है। अपनी मेधा-परिश्रम के बूते अपनी विशिष्ट जगह बनाते भारतीय युवा उन काहिल अमेरिकी युवाओं की आंख की किरकिरी बने हुए हैं जिन्हें लगता है कि भारतीय युवा उनकी जगह ले रहे हैं। दरअसल, इस सोच को दक्षिणपंथी राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने हवा दी। डोनाल्ड ट्रंप तो युवाओं का राजनीतिक दोहन करके चले गए लेकिन पथभ्रष्ट अमेरिकी सफलता की नई इबारत लिख रहे युवा भारतीयों को निशाना बना रहे हैं। हालात कई भारतीय छात्रों के स्वप्नों का अमेरिका में दुःस्वप्न बनाया जा रहा है। फरवरी के पहले सप्ताह में शिकागो में एक भारतीय युवा को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। इससे पहले एमबीए की डिग्री हासिल करने वाले विवेक सैनी की लिथोनिया में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इंडियाना में समीर कामत पिछले सप्ताह मृत पाए गए। एक अन्य छात्र नील आचार्य लापता हुए, बाद में उनकी मृत्यु होने की पुष्टि हुई। वहीं एक युवा अकुल धवन, जो इलिनोइस विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, पिछले माह मृत पाया गया। इसी तरह श्रेयस रेड्डी की मौत की खबर कुछ सप्ताह पूर्व आई। निश्चय ही ये हत्याएं उन छात्रों को व्यथित करने वाली हैं जो अमेरिका में अपने सपनों का संसार देखते हैं। निस्संदेह, ये घटनाएं उन मां-बाप के लिये दुखदायी हैं जो अपने चल-अचल संपत्ति बेचकर या जीवन की सारी पूंजी लगाकर अपने बच्चों का भविष्य संवारने अमेरिका भेजते हैं। ये बच्चे नस्लवादी व नशेड़ियों की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। आज एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छह फीसदी आयकर दे रहे हैं। उनकी संपन्नता कुछ अमेरिकियों की आंख में खटकती है। दरअसल, अमेरिका में बेरोजगारी काफी है और अपनी अयोग्यता के चलते भारतीय छात्रों का मुकाबला नहीं कर पाते। यह दुराग्रह उन्हें कालांतर में हिंसक बनाता है। दरअसल, केवल अमेरिकी युवा ही नहीं, अमेरिकी पुलिस भी नस्लवाद मुक्त नहीं है। एक भारतीय छात्रा की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर संवेदनहीन टिप्पणी करता एक पुलिसवाला पिछले दिनों सुर्खियों में था। सारी दुनिया में मानवाधिकारों व सांप्रदायिक सौहार्द की ठेकेदारी करने वाला अमेरिकी प्रशासन भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता। रोजगार के अवसरों की कमी के चलते उत्पन्न असंतोष की वजह से बड़ी संख्या में अमेरिकी युवा नशे और अपराध की दुनिया में उतर रहे हैं। यह दुखद ही है कि पिछले एक साल में अमेरिका में रह रहे पांच सौ बीस भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो पिछले साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक हैं। हिंसा की चपेट में केवल छात्र ही नहीं हैं बल्कि वहां नौकरी कर रहे और वहां बस चुके लोग भी शामिल हैं। दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक टिप्पणी की थी कि भारतीय युवा अमेरिकी युवाओं का हक छीन रहे हैं। उनका दावा था कि सत्ता में आने पर वे उनका हक दिलवाएंगे। यही वजह है कि दक्षिणपंथी ट्रंप को आज भी अधिक अमेरिकी युवाओं का समर्थन मिल रहा है। दक्षिणपंथी अमेरिकियों को इस बात से भी परेशानी है कि बाइडन प्रशासन भारतीय मूल के लोगों को अधिक तरजीह दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि बाइडन सरकार ने सवा सौ से अधिक महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों की नियुक्ति की है। यहां तक कि आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में भारतीय समुदाय के लोगों और राजनयिक कर्मचारियों को छात्रों तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्हें समयबद्ध तरीके से जांच करवाने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर भी दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए। भारतीय छात्रों को भी सचेत रहने की जरूरत है कि खुद को दुनिया का आदर्श लोकतंत्र कहने वाले अमेरिका में नस्लीय सड़ांध गहरे तक है। विडंबना यह है कि अमेरिकी मीडिया, जो भारत में छोटी-छोटी घटनाओं पर हो-हल्ला करता रहता है, घृणा के अपराधों को उजागर करने तथा भारतीय छात्रों की दशा पर खामोश रहता है।

निष्पक्षता पर फोकस

चुनावी बॉन्ड स्कीम को बैन करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला तात्कालिक और दूरगामी, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है। इससे राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे और उसके तरीके पर तो तुरंत असर पड़ेगा ही, राजनीति में पारदर्शिता और लोकतंत्र में जनता के सूचना के अधिकार की अहमियत भी रेखांकित हुई है। लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले आए इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को लाने के लिए कानूनों में किए गए बदलावों को असंवैधानिक ही नहीं घोषित किया है, इन प्रावधानों के असर को काटने वाले उपायों के साथ समय सीमा भी जोड़ी है। फैसले के मुताबिक, 12 अप्रैल 2019 के बाद चुनावी बॉन्डों के जरिए आए चंदे से जुड़े सारे डीटेल्स 13 मार्च 2024 तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक हो जाने चाहिए। मतलब यह कि अप्रैल-मई में संभावित चुनावों में राजनीतिक दलों की प्रचार शैली पर भी इस फैसले का कुछ न कुछ प्रत्यक्ष या परोक्ष असर हो सकता है। मगर फैसले की ज्यादा अहमियत इस बात में है कि इसने चुनाव सुधार के मार्गदर्शक सिद्धांतों को एक बार फिर स्पष्ट किया है। ध्यान रहे, चुनावी बॉन्ड स्कीम के पक्ष में एक दलील यह भी थी कि इससे राजनीतिक दलों को कैश में चंदा देने की प्रवृत्ति कमजोर होगी। इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट का फैसले में यह दशार्ना महत्वपूर्ण है कि मूल बात पारदर्शिता है और नागरिकों को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को कौन पैसा दे रहा है। अगर विपक्षी दल इस फैसले से अति उत्साहित दिख रहे हैं तो उसकी अपनी वजह है। उन्हें लग रहा था कि चुनावी बॉन्ड स्कीम फंड के फ्लो को सत्ताधारी पार्टी की तरफ मोड़ने और उनके स्रोतों को सुखा देने के कथित मकसद से प्रेरित है। उनका यह भी कहना है कि इसी वजह से सरकार ने रिजर्व बैंक और चुनाव आयोग की राय की अनदेखी की। 2017 में रिजर्व बैंक ने आगाह किया था कि शेल कंपनियां चुनावी बॉन्ड का दुरुपयोग मनी लॉन्ड्रिंग के लिए कर सकती हैं। 2019 में चुनाव आयोग ने भी इस स्कीम को चंदों में पारदर्शिता के लिहाज से पीछे ले जाने वाला कदम बताया था। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर स्थापित किया है कि लोकतंत्र में सभी दलों को लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करना जरूरी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो आरोप-प्रत्यारोप से अलग, इस फैसले ने उन शिकायतों को दूर किया है, जिनसे कुछ लोगों के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही थी। इस लिहाज से फैसले ने लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बढ़ाया है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

सोनिया गाँधी ने क्यों लिखी रायबरेली को चिट्ठी

प्रभुनाथ शुक्ल

"मैं अपने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कमद नहीं रखूंगी।" यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद कहा था। यह एक माँ और औरत की पीड़ा थी। क्योंकि राजीव गांधी को खोने के बाद सोनिया गांधी अकेली पड़ गयीं थीं। वह डरी और सहमी थीं क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फिक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी के सुरक्षा की थी। जिसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। क्योंकि राजनीति की वजह से उन्होंने पति और सास को खोया था। जिसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी।

गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दुःखद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्म चिठ्ठी भी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भजपा का कब्जा हो जाएगा। सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरूवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगीं। फिर सवाल उठता है क्या रायबरेली सीट कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। जबकि सोनिया गांधी स्वयं वहां से सांसद हैं। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे। गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली का फिर क्या होगा। क्या गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह भाजपा के हाथ में चली जाएगी या फिर गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। फिर क्या पार्टी प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि यह खबर भी आयी है की प्रियंका गांधी अमेठी और राहुल रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे।

राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़कर रायबरेली से अपना चुनावी भविष्य तय करेंगे।

क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। जबकि दक्षिण भारत में भाजपा अभी कमजोर स्थिति में है। उसे हालत में राहुल गांधी अगर वायनाड को बाय-बाय कर रायबरेली से अपना भाग्य आजमाते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और दक्षिण में कांग्रेस कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे। सोनिया गांधी रायबरेली को अलविदा कहने के बाद वहां की जनता के नाम एक भावनात्मक चिठ्ठी लिखी है। चिठ्ठी में उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि हालांकि मुझे आपकी सीधे सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मैं मन और प्राण से आपके साथ रहूंगी। रायबरेली की जनता के नाम सोनिया ने एक बहुत ही भावनात्मक लाइन लिखी हैं "मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं।" उन्होंने आगे अपनी बात में लिखा है कि "दिल्ली में मेरा परिवार अधूरा है वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर पूरा होता है।" चिठ्ठी में ससुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया है। सोनिया गांधी की इस भावनात्मक अपील की जनता कितना सम्मान करती है फिलहाल यह वक्त बताएगा। रायबरेली सीट को रिक्त छोड़ना गांधी परिवार की सबसे बड़ी भूल होगी। प्रियंका गांधी को यहां से निश्चित रूप से चुनाव लड़ना चाहिए और विषम परिस्थितियों में अपने पार्टी के साथ खड़ी रहना चाहिए। चिठ्ठी के जरिए सोनिया गाँधी ने रायबरेली की जनता से जो भावनात्मक अपील किया है उसका साफ-साफ संदेश है की वे रायबरेली से चुनाव स्वयं भले न लड़ें, लेकिन गाँधी परिवार से कोई न कोई इस विरासत को जरूर संभालेगा। क्योंकि अमेठी ने भले गाँधी परिवार के भरोसे को तोड़ा हो लेकिन रायबरेली की जनता ने ऐसा कभी नहीं किया। मोदी लहर में भी वह गाँधी परिवार के साथ खड़ी है। रायबरेली सीट से कांग्रेस हमेशा से चुनाव जीतती आयी है। 2004 से लेकर अब तक सोनिया गांधी ने रायबरेली से प्रतिनिधित्व किया है। वहां से वह चौथी बार लोकसभा में पहुंची है। इसके अलावा उनकी सास और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, शीला कौल, आरपी सिंह और सतीश शर्मा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। सोनिया गांधी कांग्रेस के लिए एक अडिग चट्टान सी खड़ी रही। राजीव गांधी की मौत के बाद उन्होंने कांग्रेस को विषम परिस्थितियों संभाला और एक कुशल नेतृत्व दिया। विदेशी मूल के मसले को लेकर उन पर चौतरफा हमला हुआ। 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की बुलंदियों का दौर था। वह चाहती तो खुद प्रधानमंत्री बन जाती लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। खुद उनकी पार्टी के राजनेता विदेशी मूल का मुद्दा उठाकर कांग्रेस से अलग हो गए लेकिन सोनिया गांधी एक तटस्थ राजनेता की तरह दृढ संकल्पित रहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री पद नहीं स्वीकार किया और मनमोहन सिंह को यह उन्होंने जिम्मेदारी सौंपी। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में 1996 में कांग्रेस चुनाव हार गई। उस समय कांग्रेस को गांधी परिवार की सख्त जरूरत महसूस होने लगी। लोगों के लगने लगा कि जब तक गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी की कमान नहीं संभालेगा तब तक कांग्रेस की वापसी संभव नहीं है। आखिरकार न चाहते हुए भी मुश्किल दौर में पार्टी की कमान उन्होंने संभाला और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी बखूबी निभायी। सोनिया गांधी ने 1997 कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण किया और 1998 में पार्टी की अध्यक्ष चुनी गई। 1999 वह बेल्लारी एवं अमेठी से चुनाव लड़ा और रिकार्ड मतों से विजय हासिल किया। 2004 में 16 दलों के गठबंधन यूपीए की नेता चुनी गई। उन्होंने पूरे देश में दौरा कर चुनाव प्रचार किया और यूपीए गठबंधन को सत्ता में वापस ले आयीं। 2019 में उन्हें अंतिम बार कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया। सोनिया गांधी ने हर विषम परिस्थितियों में पार्टी को मजबूती दिलाई। कांग्रेस के राजनीतिक इतिहास में सबसे लम्बे समय तक पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। फिलहाल राज्यसभा में जाने और सक्रिय राजनीति से अलबिदा होने बाद भी कांग्रेस को सोनिया गांधी की हमेशा जरूरत रहेगी।

राम मंदिर, ज्ञानवापी, मथुरा...यह हिंदुत्व के नव उल्लास का दौर चल रहा है

उमेश चतुर्वेदी

राममंदिर आंदोलन के उफान के दिनों में विश्व हिंदू परिषद ने एक नारा दिया था, अभी तो ये झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है। सेकुलर जमात समेत राममंदिर के तमाम विरोधी संघ परिवार को निशाना बनाने के लिए इस नारे को भी जरिया बनाते थे। राम भक्तों को उम्मीद तो थी कि एक न एक दिन उनके आराध्य राम का मंदिर जरूर बनेगा, लेकिन उसके जल्द साकार होने की उम्मीद नहीं थी। जब राममंदरि के ही जल्द बनने की गुंजाइश नहीं दिखती थी, तब काशी और मथुरा के देवस्थानों की मुक्ति का सपना भी दूर की कौड़ी लगता था। बीती 22 जनवरी को राम मंदिर साकार हो चुका है, काशी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो चुका है और वहां के तलघर स्थित व्यास मंदिर की पूजा-अर्चना की न्यायिक राह भी खुल गई है। इन घटनाओं से उम्मीद बढ़ चली है कि जल्द ही काशी का विश्वेश्वर मंदिर भी मध्यकालीन आक्रांता के क्रूर निशानों से मुक्त हो जाएगा। इसी तरह मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि पर अवैध कब्जे पर न्यायिक सुनवाई जारी है। बदले हालात में सेकुलरवादी खोल में गंग-जमुनी संस्कृति की धारा बहाते रहे इतिहासकारों के सुर भी बदलने लगे हैं। खुले तौर पर ऐतिहासिक तथ्यों को स्वीकार करने के उहापोह से और बौद्धिक बेईमानी से वे बाहर निकलने लगे हैं। वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब खुलेआम स्वीकार कर चुके हैं कि मध्यकाल में काशी, मथुरा और अयोध्या पर मुगल आक्रांताओं ने कब्जा किया था। वैसे इसे स्वीकार करने के लिए उन्हें विशेष रूप से अयोध्या और वाराणसी में मिले पुरातात्विक साक्ष्य और प्रमाण ने भी मजबूर किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर अयोध्या की जब पुरातत्व सर्वेक्षण ने खुदाई की तो वहां मंदिर होने के अकाट्य प्रमाण मिले।

इसी तरह वाराणसी की सत्र अदालत के निर्देश पर जब ज्ञानवापी मंदिर का पुरातात्विक सर्वेक्षण हुआ तो वहां भी शिवलिंग मिला, हिंदू मंदिर के भित्ति चित्र मिले, मस्जिद की दीवारों पर सनातनी आस्था के प्रतीक मिले। इन तथ्यों के आलोक में कोई निर्लज्ज इतिहासकार ही होगा, जो मध्यकालीन आक्रांताओं के क्रूर आक्रमणों और कब्जे को नकार पाएगा। इतिहासकारों के अनुसार, अकेले औरंगजेब के ही राज में देश के एक हजार मंदिर तोड़े गए। औरंगजेब का शासन 1658 से 1707 यानी कुल 9 साल रहा। अपने शासनकाल में औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़ा और उनकी जगहों पर मस्जिदें बनवाईं। काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की मस्जिद औरंगजेब के हिंदुत्व विरोधी कार्य की देन है। वैसे तोड़े गए मंदिरों की संख्या को लेकर इतिहासकारों की एक राय नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि हजारों मंदिर तोड़े गए।

राममंदिर बन चुका है। साल

2019 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस विवाद का अंत हुआ। वैसे हमें याद रखना चाहिए कि अयोध्या के राममंदिर को 1528 में बाबर के सेनापति मीर बकी ने तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी। जिस ज्ञानवापी मंदिर को लेकर इन दिनों चर्चा है, उसके बारे में कहा जाता है कि काशी का विश्वनाथ मंदिर प्राचीन काल से ही है। इतिहासकारों के अनुसार, 1100 ईसा पूर्व राजा हरिश्चंद्र और फिर सम्राट विक्रमादित्य ने इसका जीर्णोद्धार कराया था। जिसको 1194 में मुहम्मद गौरी ने लूटा और उसे तोड़ दिया। बाद में इसे हिंदू राजाओं ने बनवाया, लेकिन 1447 में जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने इसे फिर तोड़ दिया। फिर 1585 ई. में राजा टोडरमल की मदद से पं. नारायण भट्ट ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। 1632 में इसे तोड़ने के लिए शाहजहां ने सेना भेजी, लेकिन भारी विरोध की वजह से मंदिर नहीं तोड़ा जा सका। लेकिन यहां के 63 मंदिर तोड़ दिए गए। औरंगजेब ने सत्ता संभालने के बाद 18 अप्रैल 1669 को मंदिर पर आक्रमण बोला और उसे तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई। बाद में 1777 से 80 के दौरान महारानी अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।

मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। इतिहासकारों के मुताबिक, औरंगजेब ने यहां बने प्राचीन केशव मंदिर को तोड़कर उसी जगह 1660 ईस्वी में शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई। इस पर कब्जे को लेकर 1770 में गोवर्धन में मुगल और मराठा सेनाओं की भिड़ंत हुई, जिसमें इसमें मराठाओं की जीत हुई। विजय के बाद मराठा लोगों ने फिर से यहां मंदिर बनवाया। लेकिन मस्जिद का एक हिस्सा कायम रहा। अब इसको लेकर भी न्यायिक सुनवाई शुरू हो चुकी है। इसी तरह गुजरात के सोमनाथ मंदिर को भी पहले गजनवी ने लूटा और तोड़ा। जिसका आजादी के फौरन बाद सरदार पटेल की पहल पर जीर्णाद्धार हुआ। राम मंदिर के लिए करीब साढ़े चार सौ साल तक संघर्ष चला। कई बार खून बहा। आजाद भारत में भी कम से कम तीन बार राममंदिर के लिए खून बहा। लेकिन उसके विवाद को सुलझाने की राह न्यायिक मंदिर से निकली। हालांकि यह तथ्य भी स्वीकार करने से गुरेज नहीं होना चाहिए कि अगर छह दिसंबर को बाबरी ढांचा गिराया नहीं गया होता तो शायद न्यायिक राह भी इस तरह नहीं खुलती। लेकिन राममंदिर विवाद के पटाक्षेप में जिस तरह न्याय के मंदिर ने भूमिका निभाई है, उससे ही उम्मीद बनी है कि मथुरा और ज्ञानवापी के विवाद को सुलझाने और मध्यकालीन आक्रांताओं की निशानी को दूर करने में अदालत की मददगार होगी। ज्ञानवापी के सर्वे के बाद मिले साक्ष्यों के बाद यह आशा और बलवती ही हुई है। कृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर जिस तरह सुनवाई आगे बढ़ रही है, उससे लगता है कि जल्द ही मथुरा में कान्हा की किलकारी की अनुगूंज सुनाई देगी, कृष्णलीलाओं वाला मंदिर यहां मूर्त होगा और भक्तों को कान्हा लुभाने लगेंगे। इतिहासकार इरफान हबीब ने भले ही यह स्वीकार कर लिया हो कि मध्यकाल में मुगलों ने हिंदू मंदिरों को तोड़ा, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी वे नहीं रूके कि पांच सौ साल पुराने विवाद को सुलझाने के लिए तोड़े गए मंदिर को वापस देने से विवाद ही बढ़ेगा। यानी एक तरह से हबीब जैसे सेकुलर जमात के लोग भावी विवाद और संघर्ष को थामने के साथ ही मुस्लिम समुदाय के अधिकारों को संरक्षित करने की बौद्धिक कोशिश कर रहे हैं।

सरकार विरोधी टूलकिटें सक्रिय हो चुकी हैं, कुछ आंदोलन खड़े हो गये, कुछ खड़े होने वाले हैं

डॉ. आशीष वशिष्ट

लोकसभा चुनाव की घड़ियां जैस-जैसे समीप आ रही हैं, वैसे-वैसे देश का माहौल बिगाड़ने वाली टूल किट्स भी सक्रिय होनी शुरू हो गयी हैं। टूल किट्स की श्रृंखला में पहला प्रदर्शन देवभूमि उत्तराखण्ड के हलद्वानी में देखने को मिला। हलद्वानी में हिंसा की आग अभी पूरी तरह ठंडी भी नहीं हुई है कि पंजाब से किसान आंदोलन के दूसरी टूल किट लांच हो चुकी है। आंदोलनकारी किसानों से सरकार लगतार बातचीत कर रही है, लेकिन किसानों की मांगों, उनके अड़ियल रूख और पर्दे की पीछे की राजनीति को देखकर मामला आसानी से निपटता दिखता नहीं है। इन दो टूलकिट्स के बीच पहलवान आंदोलन वाली तीसरी टूलकिट भी सक्रिय हो चुकी है। मामला पूरी तरह साफ है कि लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार की छवि को हर मोर्चे पर डैमेज करना। अभी तो लोकसभा चुनाव तिथियों की घोषणा नहीं हुई है। तिथियों की घोषणा होने तक कई दूसरी टूल किट्स भी सक्रिय हो जाएं तो कोई हैरानी वाली बात नहीं है। पिछले पांच साल में किसान आंदोलन, पहलवान आंदोलन, संसद में शोर शराबा, शाहीन बाग, दिल्ली और नूह में दंगे, मणिपुर की हिंसा, चीन द्वारा जमीन कब्जाने की झूठी कहानियां फैलाना, पेगासस का शोर, फोन टैपिंग और हैंकिंग, अदाणी और अंबानी का विरोध ये सब किसी न किसी टूल किट का ही हिस्सा थे। समय, जरूरत और सामने वाले को देखकर मनचाही टूल किट को सक्रिय कर दिया जाता है और उस पर राजनीति की जाती है। मानवाधिकार की बातें की जाती हैं। छातियां पीटी जाती हैं, मगरमच्छी आंसू बहाए जाते हैं और देश में अशांति और अराजकता को माहौल दिखाकर अपने उल्लू सीधे किये जाते हैं। सरकार के समझौता करने पर उसे कमजोर और गलत साबित किया जाता है। और सरकार के अड़ने पर उसे तानाशाह और न जाने क्या-क्या क्रूर, असंवैधानिक और आमनवीय उपमाओं से नवाजा जाता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार का विरोध करने कोई नयी प्रथा है। लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष तो बहुत जरूरी माना जाता है। लेकिन जब विरोध केवल विरोध के लिए किया जाए तो उसमें सकारात्मकता का प्रतिशत न्यून हो जाता है। मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से विपक्ष सीधे तौर पर लड़ने की बजाय किसी न किसी टूलकिट के जरिए सरकार की छवि डैमेज करने की रणनीति पर काम कर रहा है। उसे लगता है कि सरकार की छवि डैमेज कर वो माहौल को अपने पक्ष में कर सकता है। वो अलग बात है कि उसे अपने प्रयासों में एक दशक में कामयाबी नहीं मिली।

जिस तरह से दिल्ली में शाहीन बाग और किसान आंदोलन के नाम पर साल भर से ज्यादा तक देश की राजधानी को बंधक बनाकर रखा गया, उससे साफ हो गया कि ये आंदोलन स्वतःस्फूर्त नहीं राजनीति से प्रेरित थे। सीएए और एनआरसी का विरोध, दिल्ली दंगे, नूह और हल्द्वानी की हिंसा। जगह भले ही अलग-अलग थीं लेकिन हिंसा करने का तरीका एक-सा था। सब कुछ पूर्व निश्चित और निर्धारित। अचानक कहीं से भीड़ आएगी, पथराव करेगी, आगजनी करेगी और भयंकर उपद्रव और उत्पात मचाकर एकदम गायब हो जाएगी। वर्तमान में न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून बनाने की मांग को लेकर किसान आंदोलनरत हैं। सरकार और किसानों के अपने अपने तर्क हैं। एमएसपी कानून बनाने की राह बहुत टेढ़ी और मुश्किलें भरी है, ये किसान भी जानते हैं। पर राजनीति से प्रेरित आंदोलनकारी कोई बात सुनने और मानने को तैयार नहीं। दो साल पहले किसान आंदोलन में जो कुछ हुआ उसे पूरा देश जानता है। एक साल तक दिल्ली को बंधक बनाकर रखा तथाकथित किसानों ने। किसान आंदोलन पार्ट टू शुरू हो गया है। सरकार और आंदोलनरत किसानों की बीच बातचीत जारी है। इन सबके बीच भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिममें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था। उसे नीचे लाना है। डल्लेवाल के वीडियो से पूरे किसान आंदोलन पर सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। क्योंकि लोगों में चर्चा इस बात को लेकर थी ही कि आखिर अचानक ही इतना बड़ा आंदोलन कैसे खड़ा हो गया। क्योंकि 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे। जबकि यह आंदोलन मात्र 2 किसान संगठनों द्वारा किया जा रहा है।

डल्लेवाल के वीडियो सामने आने से संकेत मिल रहे है कि राम मंदिर बनने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जो छवि बनी थी, उसे गिराने के लिए राजनीतिक मंशा के तहत किसान आंदोलन को खड़ा कर लाखों लोगों को परेशानी में डाल दिया गया। क्योंकि डल्लेवाल ने जिस तहत से वीडियो में कहा, मौका बहुत थोड़ा है और मोदी का ग्राफ बहुत ऊंचा। जिससे साफ संकेत मिलते हैं कि उद्देश्य लोक सभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने से पहले मोदी के खिलाफ माहौल बनाने की थी। क्योंकि आचार संहिता लागू होने के बाद चुनावी गतिविधियों में आंदोलन को खड़ा नहीं किया जा सकता। किसान आंदोलन के बीच कांग्रेस की तरफ से एमएसपी को लेकर कानूनी गारंटी का वादा किया जा रहा है। लेकिन जब यूपीए की सरकार सत्ता में थी तो उसने स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशें लागू करने से मना कर दिया था। आज चूंकि अपनी पार्टी की सरकार सत्ता में नहीं है और अगले चुनाव में भी उसके साथ क्या होने वाला है उसे इसकी भी जानकारी है। ऐसे में किसानों का उकसा कर और हवाई वादे करके क्या साबित करना चाहती है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। देवभूमि उत्तराखण्ड के हल्द्वानी बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद को तोड़ने गई पुलिस और जिला प्रशासन की टीम पर उपद्रवियों ने पथराव कर दिया। उपद्रवियों ने पुलिस, नगर निगम और पत्रकारों की गाड़ियों में भी आग लगाई, इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। बावजूद इसके तुष्टिकरण में डूबे कांग्रेसी नेताओं की बयानों पर गौर करें तो आपको सहज अंदाजा हो जाएगा कि शरारती तत्वों को प्राणवायु कहां से प्राप्त होती है। कांग्रेस के सीनियर नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि, ह्यह्यूसीसी का ड्राफ्ट पारित किया गया है। एक तबके को टारगेट करने की कोशिश की गई है। उस वर्ग के पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप की कोशिश की गई। उससे यह संदेश गया है कि उनको दबाया जा रहा है। जिसके चलते घटना देखने को मिली है। कोशिश यही रहनी चाहिए शांति व्यवस्था कायम हो।ह्व हिंसा अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई लेकिन हरीश रावत मामला यूसीसी का बता रहे हैं। बात पहलवान आंदोलन की कि जाए तो उसे तो खुले तौर पर कांग्रेस और कई दूसरे दलों का समर्थन प्राप्त है। पिछले एक साल से पहलवान अपनी सुविधानुसार आंदोलन करते रहे हैं।

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ कैंपस में एमए सेंकेंड सेमेस्टर के छात्रों ने रिजल्ट की मांग को लेकर दिया धरना

वराणसी। महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ कैंपस मे एमए सेंकेंड सेमेस्टर के छात्रों ने शुक्रवार दोपहर प्रशासनिक भवन के द्वार को रोककर किया घेराव दिया धरना` एमए सेंकेंड सेमेस्टर के छात्र - छात्राओ ने मीडिया से वार्ता के दौरान बताया की उनका रिजल्ट नही मिला है और जो परीक्षा हमलोगों ने दिया था उसका रिजल्ट खराब बनाया गया है और जब हमलोगों द्वारा विरोध किया गया तब आश्वासन मिला की आपलोग का रिजल्ट मिल जायेगा 15 फरवरी 2024 तक स्कालर शिप भरने का आखिरी दिन था लेकिन हमलोग रिजल्ट ना मिलने की वजह से स्कालर शिप का फार्म नही भर पाए जिसके कारण आज हमलोग छात्र और छात्राएं कालेज कैंपस के प्राशासनिक भवन मे गेट बन्द कर अपना विरोध जता रहे है जब तक रिजल्ट नही मिलेगा तब हमलोग यहाँ से नही हटेंगे धरने पर बैठे रहेंगे ना कोई बाहर आयेगा और ना कोई अंदर जायेगा। रवींद्र पटेल पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष पद प्रत्याशी के नेतृत्व मे छात्र और छात्राएं धरना दे रहे थे वहीं एमए सोसोलॉजी थर्ड सेमेस्टर के छात्र रामानन्द शर्मा ने बताया की

प्रेक्टिकल का नम्बर नही दिया गया और प्रोजेक्ट वर्क का भी नम्बर नही मिला इसी प्रकार की कई प्रकार की समस्याओं को बताया कहा की पढ़ने वाले छात्रों के साथ अन्याय हुआ है ` छात्र रामानन्द शर्मा ने कहा की हमलोगों को कुलसचिव डाक्टर सुनीता पान्डेय ने बताया की आप लोगो का रिजल्ट इस कारण निकाला गया है की आपलोग अपना अपना स्कालरशिप का फार्म भर सके ,रामानन्द ने कहा की हमलोग तब स्कालरशिप का फार्म भर पाते जब हमलोगों का रिजल्ट समय से मिल पाता और नम्बर वेबजह नही काटा जाता कई छात्रों ने तो परीक्षा दी लेकिन उनका अपसेंट बना दिया गया इसी तरह कई और समस्याओं की वजह से हमलोग स्कालरशिप का फार्म नही भर पाए जिससे काफी समस्याओं का सामना करना पर रहा है। कुल सचिव डाक्टर सुनीता पांडेय को धरना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक भवन मे पहुँचकर धरना पर बैठे छात्र और छात्राओ को रिजल्ट देने की बात कही जिसके बाद छात्र और छात्राओं के चेहरे पर खुशियाँ देखने को मिला सभी खुश थे जिसके बाद कालेज के कलर्क संजय सिंह ने धरने को समाप्त कराया जिसके बाद छात्र और छात्राएं कालेज कैंपस मे गए, प्रशासनिक भवन मे घंटो बैठे कर्मचारियों ने ली राहत की सांस। धरना देने मे मुख्य रूप से छात्र रवींद्र पटेल पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष पद प्रत्याशी ,रामानन्द शर्मा एमए सोसोलॉजी थर्ड सेमेस्टर, रोहित कुमार मौर्या एमए सोसोलॉजी, आकाश सोनकर, हसीन अहमद, अरुण सोनकर, शारीब, विकास सोनकर, सानिया शर्मा प्रथम सेमेस्टर सोसोलॉजी , वर्षा प्रजापति प्रथम सेमेस्टर सोसोलॉजी, रोशनी जायसवाल प्रथम सेमेस्टर सोसोलॉजी, गुंजा देवी प्रथम सेमेस्टर सोसोलॉजी, वंदना, खुशी सेठ, वीनू पटेल, श्वेता मौर्या, अंकिता, स्वाति सहित सैकड़ों की संख्या मे छात्र छात्राएं शामिल थी।

45 केंद्रो पर 2 पालियों में शुचितापूर्वक सख्ती के साथ हुई पुलिस भर्ती परीक्षा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के कुल-45 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालीयों में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस की आरक्षी सीधी भर्ती लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, नकल विहीन एवं पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये के उद्देश्य से जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर ने सामुहिक रूप से शहीद स्मारक इंटर कॉलेज नंदगंज गाजीपुर, आदर्श इण्टर कालेज मुहआबाग, राजकीय बालिका इण्टर कालेज महुआबाग एवं शिवकुमार शास्त्री इण्टर कालेज जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग हेतु कंट्रोल रूम को देखते हुए परीक्षा कक्ष में पहुचकर परिक्षार्थियों का प्रवेश पत्र से आधार से चेक किया गया । उन्होने परीक्षा के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं केन्द्र व्यवस्थापक के साथ लगाये गये सेक्टर एवं जोनल तथा स्टेट्रिक मजिस्ट्रेट को कड़े निर्देश दिया कि किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय। कड़ाई से अपने कार्यो एवं दायित्वो का शत प्रतिशत निर्वहन किया जाय। किसी भी केन्द्र पर लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध उचित कार्यवाही की जायेगी।

भक्तों के उद्धार हेतु प्रभु राम ने लिया अवतार : महंत गणेश दास

कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) में चौदहवें वर्ष दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ के चौथे दिन शनिवार को श्री अवध बिहारी कुंज, अयोध्या धाम से आये कथा वाचक महंत गणेश दास महाराज ने श्रीराम कथा की अमृत वर्षा कराते हुए भगवान श्रीराम के पृथ्वी पर अवतार के विभिन्न कारणों की चर्चा करते हुए कहा कि सनकादिकों के श्राप से राक्षस बने भगवान के पार्षद जय, विजय की मुक्ति, जालंधर की पत्नी वृंदा से प्रभु को मिले श्राप का प्रभाव, महर्षि नारद से प्रभु को मिला श्राप, मनु महाराज के यहां पुत्र रूप में प्रभु के आने का आशीर्वाद इत्यादि के कारण भगवान पृथ्वी पर अवतरित हुए। कथा के माध्यम से कथा वाचक ने कहा कि भगवान को भक्तों के उद्धार हेतु पृथ्वी पर अवतरित होना पड़ता है। भक्त की भक्ति भगवान को बंधन में बांध देती है। इस दौरान राम जन्मोत्सव की कथा पर समूचा पंडाल खुशी से झूम उठा और मंगलाचरण व सोहर होने लगा। कथा का प्रारम्भ यजमान विजय कुमार गुप्त द्वारा व्यास पीठ के पूजन से हुआ। संचालन सिया शरण पांडेय ने किया। इस दौरान यज्ञाचार्य रामजी पांडेय के देख रेख में श्रीराम महायज्ञ और अयोध्या धाम से आये संतो द्वारा अखंड सीता राम नाम संकीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते रहे। इस अवसर पर महंत त्रिभुवन शरण दास, व्यवस्थापक देव नारायण शरण, विष्णु शरण दास, परशुराम दास, रामदयाल पटेल, इन्द्रासन प्रसाद संतजी, सुरेश तिवारी, निशांत सिंह, टिशू पांडेय, मणि प्रकाश यादव, आशुतोष शुक्ल, चंद्रिका शर्मा, डॉ0 हरिओम मिश्र, अनमोल तिवारी, राकेश शर्मा, शिव वर्मा, सुभाष दुबे, डा0 मृत्युंजय ओझा, डा0 आर0 के0 यादव, सुरेश पांडेय, राकेश कुशवाहा, शिवम राय, अभिषेक श्रीवास्तव, हृदयाँचल श्रीवास्तवा, आलोक श्रीवास्तव, काशीनाथ सिंह, विपिन बिहारी श्रीवास्तव, संजय पांडेय, रानी पांडेय आदि उपस्थित रहे।

सुमित सिंह दूसरी बार बने नशामुक्ति एवं पुर्नवास समिति के सदस्य

भदोही। देश भर में नशामुक्ति पर काम करने वाले सुमित सिंह को भारत सरकार के नशामुक्ति एवं पुर्नवास समिति का सदस्य बनाया गया है।सामाजिक कार्यकर्ता सिंह अपनी संस्था काशीयाना फाउंडेशन के माध्यम से 10 सालों पूरे देश में नशामुक्ति को लेकर अभियान चला रहे हैं। भदोही जनपद के गोपीगंज के गहरपुर गांव निवासी सुमित सिंह को नशामुक्ति अभियान में उनके दिए योगदानों को देखते हुए दूसरी बार समिति का सदस्य बनने पर जिलाधिकारी गौंराग राठी सहित अन्य लोगों ने बधाई दी। सुमित समिति के सबसे कम उम्र के सदस्य हैं। सुमित सिंह आठ विश्वविद्यालय और भारत सरकार के 25 नशामुक्ति केन्द्र व पांच राज्यों के गर्वनरों के साथ कार्यक्रम किया।

समिति का सदस्य बनाए जाने पर सुमित का कहना है कि देश के हर युवा को आज संकल्प लेना चाहिए कि नशे के दुष्प्रभाव से बचे और भारत को सशक्त और विश्व गुरू बनाने में अभियान का साथ दें। सामाजिक कार्यकर्ता सुमित सिंह अपनी संस्था काशीयाना फाउंडेशन के माध्यम से 10 सालों पूरे देश में नशामुक्ति को लेकर अभियान चला रहे हैं। देश भर में उन्होंने नशामुक्ति यात्रा निकाली। जिसके प्रथम चरण में भारत के 22 राज्यों में 15 हजार किमी की दूरी 40 दिनों में और दूसरे चरण में काशी से भारत के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में सात हजार किमी की नशामुक्ति यात्रा निकाली।

तिलकधारी चुटियाधारी बटुकों ने मारे चौके-छक्के, शास्त्रार्थ महाविद्यालय पर संस्कृत क्रिकेट मैच

वाराणसी। पहले इन संस्कृत की लाइनों को इनके अर्थ के साथ पढ़े..... कन्दुक प्रक्षेपकः कन्दुकं प्रक्षिपति, तदा फलक ताडकत्वेन तीव्र गत्या प्रहरति, तदा कन्दुकं आकाश मार्गेन सीमा रेखातः बहिर्गतम् षड्धावनाऽकाः लब्धाः ,बालर ने बाल फेंका, बल्लेबाज ने हिट किया ,बाल आकाश मार्ग से होती हुई बाउंड्री के बाहर चली गई ,छः रन प्राप्त हुए। कन्दुकस्य रेखायाः बहिर्गमनम् ,अतिरिक्त एक धावनाऽकाः लब्धाः` वाइड बाल , अतिरिक्त एक रन प्राप्त हुआ, सर्वे दर्शकाः अति प्रसन्नाःसभी दर्शक काफी प्रसन्न हैं` धौतवस्त्र धारिणः टीका-चन्दन कारिणः ,हस्तौ फलकधारयन्त्यौ कीदृशं क्रीडाक्षेत्रस्य शोभां वर्द्धयन्ति धोती पहनकर टीक-त्रिपुंड लगाए हुए तथा हाथों में बल्ला थामे बटुक खिलाड़ी खेल मैदान की शोभा बढ़ा रहे हैं। जी हाँ एक ऐसा खेल जिसको देखकर दर्शक दीर्घा में उपस्थित दर्शकों ने दांतों तले उंगलियां दबा ली खेल था क्रिकेट मैच का और क्रिकेट मैच ऐसा की जिसमें सारे नियम लगभग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के ही बराबर थे` मौका था संस्कृत भाषा व इसके संवर्धन हेतु सतत प्रयत्नशील शास्त्रार्थ महाविद्यालय (दशाश्वमेध) के 80वें स्थापनोत्सव पर आयोजित संस्कृत क्रिकेट मैच के भव्य आयोजन का` प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वेदपाठी बटुकों ने क्रिकेट मैच खेल कर समाज को सन्देश देने का प्रयास किया कि हमारे हाथों में शास्त्रों वके अलावा यदि क्रिकेट का बल्ला भी होगा तो उसमें भी पीछे हटने वाले नहीं है शुक्रवार को रामापुरा के जयनारायण इंटर कॉलेज में यह प्रतियोगिता आयोजित हुई` प्रातः मुख्य अतिथि शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने बटुकों से संस्कृत में परिचय प्राप्त किया तथा इसके बाद कुछ गेंद बटुकों से डलवाई व स्वयं उनके साथ क्रिकेट खेल कर आयोजन का उद्घाटन किया` शुरूआत में संस्था के राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व प्राचार्य तथा संयोजक डॉ.गणेश दत्त शास्त्री व संस्कृत भाषा के विद्वान डॉ.विनोद राव पाठक ने मुख्य अतिथि को माल्यार्पण व अंगवस्त्र प्रदान कर अभिनंदन किया` इस मौके पर विधायक डॉ.नीलकंठ तिवारी ने कहा संस्कृत भाषा व इसके छात्रों के उत्साहवर्धन हेतु इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए,इएसव प्रचार तथा प्रसार में बढ़ोत्तरी होती है अतः बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए एक अवसर प्रदान करना चाहिए चाहे वह खेल का ही क्षेत्र क्यों ना हो।

संस्कृत में कमेंट्री व्याकरणशास्त्र के मूर्धन्य विद्वान डॉ. शेषनारायण मिश्र व पं. विकास दीक्षित ने किया` कार्यक्रम संयोजक व संस्था के प्राचार्य डॉ.पवन कुमार शुक्ला ने स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन देश में अपने में अनोखा है इसी कारण इसकी प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में भी किया था` मैच के सारे नियम लगभग किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के ही समान थे अंपायर की भूमिका में पूर्व खिलाड़ी धीरज मिश्रा व संजीव तिवारी तथा रेफरी के रूप में डॉ. अशोक पांडेय शामिल थे इस एक दिवसीय मैच में चार टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें श्री शास्त्रार्थ महाविद्यालय, इंटरनेशनल चंद्रमौलि चैरिटेबल संस्कृत संस्थान,चल्ला शास्त्री वेद-वेदांग संस्कृत विद्यालय तथा महर्षि महेश योगी संस्थान थे` संस्कृत के छात्रों ने मंगलाचरण व वेद मंत्रों का पाठ करते हुए मैदान में प्रवेश किया तिलकधारी व लंबी-लंबी चुटियाधारी धोती- कुर्ता पहने हुए क्रिकेटरों को देख मैदान पर उपस्थित सभी दर्शक काफी रोमांचित हो गए इन बच्चों के चौकों-छक्कों पर तो सभी ने जोरदार तालियां भी बजाई। जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता रहा` संस्कृत में चतुरधावनांकाः तथा षडधावनांका (चौक व छक्का) से पूरा मैदान गूँजायमान रहा , डॉ.उमाशंकर त्रिपाठी,डॉ.सारनाथ पांडेय, डॉ.आमोद दत्त शास्त्री,बृजेश शुक्ल आदि संयोजन में रहे` पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए इंटरनेशनल चंद्रमौलि चेरिटेबल ट्रस्ट ने निर्धारित 8 ओवर में 5 विकेट पर 71 रन बनाए वहीं प्रतिद्वंद्वी चल्ला सुब्बा राव शास्त्री वेद-वेदांग विद्यालय 6 विकेट गवाकर 61 रनों पर सिमट गयी` इस प्रकार इंटरनेशनल चंद्रमौलि चेरिटेबल ट्रस्ट ने सीधे फाइनल में प्रवेश कर लिया ,दूसरा मैच काफी रोमांचक रहा इसमें खेल की आयोजक संस्था शास्त्रार्थ महाविद्यालय व महर्षि महेश योगी संस्थान के बीच मैच हुआ` टॉस जीतकर शास्त्रार्थ महाविद्यालय के कप्तान नितेश चतुवेर्दी बल्लेबाजी चुना ,केवल 2 विकेट ही गिरा और टीम ने 112 रन बना लिए। इसमें विस्फोटक बल्लेबाज विवेक तिवारी रहे जिन्होनें 38 बॉल पर 60 रनों की पारी खेली जिसमें 7 छक्के भी शामिल थे दूसरी टीम महर्षि महेश योगी संस्थान केवल 44 रन ही बना पायी,फाईनल मैच शास्त्रार्थ महाविद्यालय व इंटरनेशनल चंद्रमौलि चेरिटेबल ट्रस्ट के मध्य हुआ` चंद्रमौलि के विशाल ने निर्णायक 38 रनों की पारी खेली वहीं शास्त्रार्थ की बटुक टीम ने काफी मेहनत करते हुए 4 विकेट पर 55 रन ही बना सकी` इस प्रकार इंटरनेशनल चंद्रमौलि चेरिटेबल ट्रस्ट ने संस्कृत बटुक क्रिकेट टूनार्मेंट की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया` मैन ऑफ द मैच विशाल व पूरे टूनार्मेंट में सर्वाधिक 5 विकेट लेने व सबसे ज्यादा 82 रन बनाने पर मैन ऑफ द सीरीज शास्त्रार्थ महाविद्यालय के विवेक तिवारी रहे` मैच में पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी धीरज मिश्र व संजीव तिवारी भी पारंपरिक गणवेश धोती व कुर्ता पहनकर अम्पायरिंग करते रहे।

बीएनए के संस्थापक 88 वर्षीय पद्म श्री राज बिसरिया का लखनऊ में निधन

प्रखर वाराणसी। भारतेंदु नाट्य अकादमी के संस्थापक पद्मश्री राज विसरिया का लखनऊ में निधन हो गया यह समाचार जब बीएनए से प्रशिक्षित अंबरीष श्रीवास्तव ने स्कंद गुप्त नाटक का पूर्वाभ्यास कर रहे कलाकारों को सुनाया तो शोक की लहर दौड़ गई।संस्था कामायनी के द्वारा 25 फरवरी 2024 में स्कंद गुप्त नाटक का मंचन बीएचयू में होना तय है जिसका पूर्व अभ्यास पिशाचमोचन स्थित संवासनी आश्रम में हो रहा है यह समाचार सुनते ही पूर्वाभ्यास रोक दिया गया। और सभी रंग कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर उनके आत्मा के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतेंदु नाट्य अकादमी से प्रशिक्षित अमित श्रीवास्तव, नवीन चंद्रा, मुन्ना लाल पटेल, विनय कुमार भी पूर्व अभ्यास कर रहे हैं वहीं संस्था कामायनी वीना सहाय, डॉक्टर दीपक कुमार नाटक के निर्देशक कमलेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में हो रहे स्कंद गुप्त नाटक में भाग लेने वाले कलाकारों में अमन कुमार ,अंबरीश कुमार ,डॉक्टर लियाकत अली, अमन निषाद अमित श्रीवास्तव,हर्ष, अविनाश पांडेय, मनोरमा शर्मा, सोनल कुशवाह संगीता कुमारी,आदि कलाकारों ने भी दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिले के नवली तथा सुहवल में पड़ा खाद्य विभाग का छापा, दूध व पनीर का लिया नमूना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेश पर जनपद गाजीपुर के आम जनमानस को शुद्ध सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उददेश्य से आर०सी० पाण्डेय सहायक आयुक्त खाद्य के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर०पी० सिंह नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के प्रवर्तन दल ने दिनांक शुक्रवार को छापा मारकर निरीक्षण करते हुए जाँच हेतु खाद्य पदार्थों पनीर, दूध के 03 नमूने जाँच हेतु संग्रहित किये गये विवरण निम्नवत जिसमें काशी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

नवली गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान से मिश्रित दूध के 02 नमूने, यादव पनीर भण्डार सुहवल गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान से पनीर का 01 नमूना, संग्रहित नमूनें जॉच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ०प्र०, प्रेषित किये जा रहें हैं, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के खाद्य सचल दल का नेतृत्व आर०पी०सिंह मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर द्वारा किया गया, टीम में अवधेश कुमार, समला प्रसाद यादव, गुलाबचन्द गुप्त, राजीव कुमार सिंह, एवं विरेन्द्र यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण गाजीपुर शामिल रहे।

आश्रय गृहों के निरीक्षण के लिए गठित टीम ने वन स्टॉप सेंटर सहित आश्रय गृहों का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को आश्रय गृहों के निरीक्षण के लिए गठित की गयी समिति के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार.टप्प, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो न्यायालय, कक्ष सं0-1, गाजीपुर, सदस्य श्री दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर एवं सदस्या श्रीमती श्वेता नैन, अपर सिविल जज कक्ष संख्या-06, गाजीपुर द्वारा संरक्षण गृहों का निरीक्षण किया गया। स्व0 शिवपूजन पाठक बालगृह ; बालिकाद्ध रस्तीपुर, सैदपुर, गाजीपुर का निरीक्षण किया गया। संस्था में आवासित बालिकाओं की संख्या उपस्थिति पंजिका दिनांक 17 फरवरी के अनुसार उपस्थित रही। समिति द्वारा आवासित बालिकाओं को मीनू के अनुसार भोजन, साफ-सफाई, कपडे.तथा स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य परीक्षण का समुचित प्रबंध हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु दिशा-निर्देश दिया गया। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर गाजीपुर का निरीक्षण किया गया। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे, तथा आवासित किशोर उपस्थिति पंजिका दिनांक 17 फरवरी के अनुसार उपस्थित पाये गये। राजकीय प्लेस ऑफ सेफ्टी गाजीपुर एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर गाजीपुर को निर्देशित किया गया कि मीनू के अनुसार भोजन, साफ-सफाई, कपडे.तथा स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

डीआईजी ने थाना लाइन बाजार का औचक निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

प्रखर जौनपुर। डीआईजी वाराणसी रेंज डॉ ओम प्रकाश सिंह ने थाना लाइन बाजार का औचक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिया है। इसी बीच मय पुलिस टीम के साथ एसपी डॉ अजय पाल शर्मा व डीआईजी डॉ ओम प्रकाश सिंह ने थाना लाइन बाजार में बने महिला हेल्प डेस्क के लिए हेल्पलाइन नंबर कार्यालय का भी निरीक्षण किया। हेल्प लाइन नंबर की मदद से उत्तर प्रदेश के किसी भी कोने से महिलाएं इस टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर छेड़खानी समेत किसी भी प्रकार की समस्या और हो रहें अत्याचार की शिकायत निशुल्क दर्ज करवा सकती हैं। सबसे अहम बात ये है कि 1090 पर शिकायत करने वाली महिला की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है।

थाना कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ा बयेपुर देवकली में बलात्कार करने वाला अभियुक्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे चेकिंग अभियान व वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 15 फरवरी 24 को ग्राम बयेपुर देवकली थाना कोतवाली क्षेत्र में अभियुक्त टुनटुन पुत्र रुपनरायन चौधरी निवासी जैतपुरा थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर उम्र 21 वर्ष द्वारा काल्पनिक नाम सुनीता देवी पत्नी रामकुमार निवासी बयेपुर देवकली थाना कोतवाली गाजीपुर वादिनी को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर ले जाना व शारीरीक सम्बन्ध बनाना । जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली, गाजीपुर पर मु0अ0सं0 62/2024 धारा 363,366,376 भादवि व ३ पाक्सो एक्ट बनाम टुनटुन उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत हुआ । दौराने विवेचना वांछित अभियुक्त टुनटुन पुत्र रुपनरायन चौधरी निवासी जैतपुरा थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर को शनिवार को देवकली गेट से अभियुक्त टुनटुन उपरोक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दीनदयाल पाण्डेय थाना कोतवाली, उप निरीक्षक वीरेन्द्र प्रसाद मिश्र थाना कोतवाली, उप निरीक्षक अशोक कुमा गुप्ता थाना कोतवाली, कांस्टेबल महेश कुमार थाना कोतवाली, कांस्टेबल विशाल कुमार थाना कोतवाली, कांस्टेबल शिवबाबू थाना कोतवाली जनपद- गाजीपुर शामिल रहे।

श्री धनेश्वर आईटीआई में कैम्पस सलेक्शन 19 फरवरी को

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। खंड विकास देवकली क्षेत्र के श्री धनेश्वर शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान केन्द्र कुसुम्ही खुर्द सिरगिथा परिसर मे सुजुकी मोटर गुजरात संस्थान प्रा० लि० कम्पनी द्वारा कैम्पस सलेक्शन 19 फरवरी दिन सोमवार को प्रातः 10 बजे से आयोजित है । आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यथी जिनकी उम्र 18 से 26 के बीच हो भाग ले सकते हैं यह जानकारी संस्थान के प्रबंधक कन्हैया सिंह यादव व प्रधानाचार्य सुभाष सिंह यादव ने संयुक्त रुप से दी है।

शादियाबाद पुलिस ने किया दहेज व गैर इरादतन हत्या के 2 वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवम् अपराधियों, लुटेरे, वाहन चोरो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के निकट पर्यवेक्षण मे शनिवार को थाना स्थानीय के उप निरीक्षक शिवराज सिंह यादव मय हमराहियान हेड कांस्टेबल बडेलाल वर्मा, कांस्टेबल भीम भारती, कांस्टेबल विक्रमजीत पाल द्वारा मु0अ0सं0 18/24 धारा 498ए/304बी भादवि व ३ डी पी एक्ट थाना शादियाबाद गाजीपुर में वांछित अभियुक्तगण राजू नैन पुत्र लोचन राम निवासी ग्राम टडवा टप्पा सौरी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर तथा लोचनराम पुत्र स्व0 शिवबरन निवासी ग्राम टडवा टप्पा सौरी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर को समय 11.50 बजे मौधिया बार्डर के पास से गिरफ्तार कर चालान माननीय न्यायालय किया जा रहा है।

मशीन में सर्वर की समस्या से राशन की दुकान पर कार्डधारकों की भीड़

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। प्रदेश सरकार द्वारा न ई वोईग मशीन कांटा राशन की दुकान पर जिले में इसी माह मिला है।जिसका खाद्यान्न वितरण 15फरवरी से शुरू हुआ है। लेकिन सर्वर की समस्या तथा तकनीकी कारणों से अधिकांश मशीनें नही चल रही है।जिसके कारण जनपद में राशन की दुकान पर कार्डधारकों में भीड लग जा रही है तथा कोटेदार व कार्डधारकों के बीच वाद विवाद उत्पन्न हो जा रही है। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने बताया कि इस नया मशीन में अभी तक सभी सिस्टम पूरी तरह से काम नहीं कर रहा है। खाद्यान्न पूरा नही आ रहा है। नेटवर्क परेशानी हो रही है।कार्डधारक रोज आकर दुकान से चले जा रहे हैं।जिसके कारण वाद विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। प्रदेश में इस महीने सिर्फ 8जनपद मे यह मशीन लगाया गया है।तब सर्वर की समस्या हो जा रही है तो पूरे प्रदेश में जब लग जायेगा तो क्या हाल होगा।इसके संदर्भ में आयुक्त लखनऊ और जिला पूर्ति अधिकारी को लिखित अवगत कराया जा चुका है। लेकिन अभी तक कोई सुधार नहीं हो सकता है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगाया गया कैम्प

वाराणसी। मिन्ट हाउस नदेसर स्थित छोटा कटिंग मेमोरियल स्कूल में 17 फरवरी शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत लगाया गया कैम्प जिसमें बाल विकास परियोजना नगर क्षेत्र वाराणसी के द्वारा लाभार्थी गर्भवती महिला,गोद भराई लाभार्थी इंदू,कंचन देवी ,पूजा का गोद भराई सोमनाथ विश्वकर्मा क्षेत्र उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, सुशील गुप्ता पार्षद नदेसर व जयप्रकाश विश्वकर्मा ने किया। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ता दीपू कनौजिया ,रवि गुप्ता, अजय गुप्ता, अंजू जायसवाल ,संजय श्रीवास्तव आदि के द्वारा किया गया इसके उपरांत बाल विकास परियोजना प्रशासन अन्नप्राशन बच्चे आरोही, दक्षित अद्दविक, अन्नप्राशन किया गया। जिसमें तथामत गार्गी सुपरवाइजर नगर क्षेत्र ,शशि गिरी, किरन टंडन जिला विधि सेवा प्राविधिक ,नगीना देवी, सुभावती देवी, दीपा शर्मा, अंजना सोनी, रंजना देवी, गीता सिंह, प्रीति सिंह, अनीता देवी, मीना गुप्ता,सुधा ,सोनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थी।

एआई उपकरण आश्चर्यजनक परिणाम देते हैं

सिडनी (द कन्वरसेशन)। ओपनएआई बनाने वाले चैटजीपीटी के मुख्य कार्यकारी सैम ऑल्टमैन कथित तौर पर भारी मात्रा में कंप्यूटर चिप्स के निर्माण के लिए 7 खरब अमेरिकी डॉलर का निवेश खोजने की कोशिश कर रहे हैं, उनका मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रणालियों को चलाने के लिए दुनिया को इन चिप्स की जरूरत है। ऑल्टमैन ने हाल ही में यह भी कहा कि दुनिया को एआई-संतृप्त भविष्य में अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी - इतनी अधिक कि इसके लिए परमाणु संलयन जैसी किसी तकनीकी सफलता की आवश्यकता हो सकती है।

एआई क्या है?

एआई एक कंप्यूटर प्रणाली है जो 'आमतौर पर बुद्धिमान प्राणियों से जुड़े कार्य कर सकती है'। यह परिभाषा, कई अन्य की तरह, थोड़ी धुंधली है: क्या हमें स्प्रेडशीट्स को एआई कहना चाहिए, क्योंकि वे ऐसी गणनाएं कर सकते है जो एक समय उच्च-स्तरीय मानवीय कार्य हुआ करती थी? फ़ैक्टरी रोबोट के बारे में क्या ख्याल है, जिन्होंने न केवल इंसानों की जगह ले ली है बल्कि कई मामलों में जटिल और नाजुक कार्य करने की अपनी क्षमता में हमसे भी आगे निकल गए है? जबकि स्प्रेडशीट और रोबोट वास्तव में वे काम कर सकते है जो कभी मनुष्यों के डोमेन थे, वे एक एल्गोरिदम - किसी कार्य को पूरा करने और उसके माध्यम से काम करने के लिए एक प्रक्रिया या नियमों का सेट- का पालन करके ऐसा करते है । एक बात हम कह सकते है कि सिस्टम के अर्थ में 'एआई' जैसी कोई चीज नहीं है जो एक इंसान की तरह कई प्रकार की बुद्धिमान क्रियाएं कर सके। बल्कि, कई अलग-अलग एआई प्रौद्योगिकियां है जो काफी अलग-अलग काम कर सकती है।

निर्णय लेना बनाम आउटपुट उत्पन्न करना

शायद सबसे महत्वपूर्ण अंतर 'भेदभावपूर्ण एआई' और 'जेनरेटिव एआई' के बीच है। चीजों में फर्क कर सकने वाला एआई निर्णय लेने में मदद करता है, जैसे कि क्या बैंक को छोटे व्यवसाय को ऋण देना चाहिए, या क्या एक डॉक्टर किसी मरीज को एक्स या वाई बीमारी का निदान करता है। इस तरह की एआई प्रौद्योगिकियां दशकों से मौजूद है, और बड़ी और बेहतर तकनीकें हर समय उभर रहे है. दूसरी ओर, जेनरेटिव एआई सिस्टम - चैटजीपीटी, मिडजर्नी और ऐसे ही अन्य - इनपुट के जवाब में आउटपुट उत्पन्न करते है: दूसरे शब्दों में, वे चीजें बनाते है। संक्षेप में, उन्हें अरबों डेटा बिदुओं (जैसे वाक्य) से अवगत कराया गया है और इसका उपयोग किसी संकेत की संभावित प्रतिक्रिया का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। स्रोत डेटा के आधार पर प्रतिक्रिया अक्सर 'सत्य' हो सकती है, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है। जेनरेटिव एआई के लिए, 'मतिभ्रम' - सिस्टम द्वारा आविष्कार की गई एक झूठी प्रतिक्रिया - और एक प्रतिक्रिया जिसे मानव सत्य के रूप में आंकेगा के बीच कोई अंतर नहीं है। यह प्रौद्योगिकी का एक अंतर्निहित दोष प्रतीत होता है, जो एक प्रकार के तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करता है जिसे ट्रांसफार्मर कहा जाता है।

लेकिन उनमें वास्तव में 'बुद्धिमत्ता' को लेकर हैं कई सवाल

एआई, लेकिन बुद्धिमान नहीं एक अन्य उदाहरण से पता चलता है कि कैसे 'एआई' के गोलपोस्ट लगातार घूम रहे है। 1980 के दशक में, मैंने प्रयोगशाला परिणामों पर विशेषज्ञ चिकित्सा सलाह प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए कंप्यूटर सिस्टम पर काम किया। इसे अमेरिकी अनुसंधान साहित्य में नैदानिक उपयोग में पहले चार चिकित्सा 'विशेषज्ञ प्रणालियों' में से एक के रूप में लिखा गया था, और 1986 में ऑस्ट्रेलिया सरकार की एक रिपोर्ट ने इसे ऑस्ट्रेलिया में विकसित सबसे सफल विशेषज्ञ प्रणाली के रूप में वर्णित किया था। यह एक एआई मील का पत्थर था, और इसने एक ऐसा कार्य किया जिसके लिए आमतौर पर उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता होती थी। हालाँकि, सिस्टम बिल्कुल भी बुद्धिमान नहीं था। यह वास्तव में एक प्रकार की लुक-अप तालिका थी जो प्रयोगशाला परीक्षण के परिणामों को उच्च-स्तरीय निदान और रोगी प्रबंधन सलाह से मेल खाती थी।

वास्तविक बुद्धिमत्ता क्या है?

यदि एल्गोरिदम बिना बुद्धिमान हुए उस तरह के आश्चर्यजनक परिणाम दे सकता है जैसा कि हम चैटजीपीटी से देखते है, तो वास्तविक बुद्धिमत्ता क्या है? हम कह सकते है कि बुद्धिमत्ता अंतर्दृष्टि है: यह निर्णय कि कोई विचार अच्छा है या नहीं। जेनरेटिव एआई में अंतर्दृष्टि नहीं है। चैटजीपीटी आपको यह नहीं बता सकता कि किसी प्रश्न का उसका उत्तर जेमिनी से बेहतर है या नहीं। (जेमिनी, जिसे हाल तक बार्ड के नाम से जाना जाता था, गूगल का ओपनएआई के जीपीटी परिवार के एआई टूल का प्रतिस्पर्धी है।) या इसे दूसरे तरीके से कहें तो: जेनरेटिव एआई मोनेट की शैली में अद्भुत चित्र बना सकता है, लेकिन अगर इसे केवल पुनर्जागरण कला पर प्रशिक्षित किया जाता तो यह कभी भी प्रभाववाद का आविष्कार नहीं करता। जेनरेटिव एआई असाधारण है, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोगों को इसके लिए व्यापक और बहुत मूल्यवान उपयोग मिलेंगे। पहले से ही, यह जानकारी को बदलने और प्रस्तुत करने (लेकिन खोज करने के लिए नहीं) के लिए बेहद उपयोगी उपकरण प्रदान करता है, और विशिष्टताओं को कोड में बदलने के लिए उपकरण पहले से ही नियमित उपयोग में है। ये बेहतर से बेहतर होते जाएंगे: उदाहरण के लिए, गूगल का हाल ही में जारी किया गया जेमिनी, खोज का उपयोग करके और फिर खोज परिणामों को फिर से व्यक्त करके, मतिभ्रम की समस्या को कम करने का प्रयास करता प्रतीत होता है। फिर भी, जैसे-जैसे हम जेनेरिक एआई सिस्टम से अधिक परिचित होते जाते है, हम और अधिक स्पष्ट रूप से देखेंगे कि यह वास्तव में बुद्धिमान नहीं है; कोई अंतर्दृष्टि नहीं है. यह जादू नहीं है, बल्कि एक बहुत ही चतुर जादूगर की चाल है: एक एल्गोरिदम जो असाधारण मानवीय प्रतिभा का उत्पाद है।

मूंगा चट्टानें

प्रवाल भित्तियाँ हमारी सोच से कहीं अधिक बड़ी

क्वींसलैंड (द कन्वरसेशन)। विश्व की प्रवाल भित्तियाँ जितनी हमने सोची भी होंगी उससे लगभग 25 प्रतिशत अधिक बड़ी है। प्रवाल भित्तियों पर काम करने वाले लोगों के वैश्विक नेटवर्क से उपग्रह चित्रों, मशीन लर्निंग और जमीनी ज्ञान का उपयोग करके, अतिरिक्त 64,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में प्रवाल भित्तियाँ मिली हैं - जो कि आयरलैंड के आकार का क्षेत्र है। इससे ग्रह की उथली चट्टानों (मतलब 0-20 मीटर गहरी) का कुल आकार 348,000 वर्ग किलोमीटर - जर्मनी के आकार- तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा पूरे मूंगा चट्टान पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें छोटे मूंगे के साथ रेतीले तल वाले लैगून से लेकर मूंगा मलबे के समतल ढेर, मूंगे की जीवित दीवारें शामिल है। इस 348,000 वर्ग किमी में मूंगा 80,000 वर्ग किमी है जहां एक कठोर तल है - रेत के बजाय चट्टानें। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मात्रा में मूंगा होने की संभावना है - वे स्थान जहां स्नॉर्केलर और स्कूबा गोताखोर सबसे अधिक जाना पसंद करते है। आपको आश्चर्य हो सकता है कि हम अभी इसका पता क्यों लगा रहे है। क्या हम पहले से ही नहीं जानते थे कि दुनिया की चट्टानें कहाँ है? पहले, हमें कई अलग-अलग स्रोतों से डेटा खींचना पड़ता था, जिससे प्रवाल भित्तियों की सीमा को निश्चितता के साथ निर्धारित करना कठिन हो जाता था। लेकिन अब हमारे पास पूरी दुनिया को कवर करने वाला उच्च रिज़ॉल्यूशन वाला उपग्रह डेटा है - और हम 30 मीटर नीचे तक गहरी चट्टानों को देखने में सक्षम है। हमने इसे मालदीव, क्यूबा और ऑस्ट्रेलिया जैसे सभी क्षेत्रों के प्रवाल भित्तियों वाले देशों में 400 से अधिक व्यक्तियों और संगठनों के प्रवाल भित्तियों के प्रत्यक्ष अवलोकन और रिकॉर्ड के साथ जोड़ा। मानचित्र तैयार करने के लिए, हमने सेंटिनल-2 और प्लैनेट डोव क्यूबसैट उपग्रहों से 100 खरब पिक्सल का विश्लेषण करने के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग किया, ताकि मूंगा कहां है - और कहां नहीं है, इसके बारे में सटीक भविष्यवाणी की जा सके। मानचित्र बनाने के लिए टीम ने लगभग 500 शोधकर्ताओं और सहयोगियों के साथ काम किया। परिणाम: प्रवाल भित्तियों की सीमा और उनकी संरचना का दुनिया का पहला व्यापक मानचित्र, एलन कोरल एटलस के माध्यम से तैयार किया गया। मानचित्र पहले से ही अपनी सार्थकता सिद्ध कर रहे है।

दुनिया भर में रीफ प्रबंधन एजेंसियां

संरक्षण कार्य और रीफ के खतरों की योजना बनाने और उनका आकलन करने के लिए उनका उपयोग कर रही है। यह छिपा हुआ मूंगा कहां है? हमारे मानचित्रों में विवरण के तीन स्तर है। पहला सबसे विस्तृत है - संपूर्ण प्रवाल भित्ति पारिस्थितिकी तंत्र। अंतरिक्ष से देखने पर, इसमें गहरे पानी से घिरे मूंगे के हल्के क्षेत्र है। फिर हमारे पास भू-आकृतिक विवरण है, जिसका अर्थ है कि चट्टान के भीतर के क्षेत्र कैसे दिखते है। इसमें रेतीले लैगून, कम ज्वार के समय हवा के संपर्क में आने वाली चट्टानें, गहरे पानी में जाने वाले ढलान वाले क्षेत्र आदि शामिल है। और अंत में हमारे पास बेन्थिक सबस्ट्रेट्स का बारीक विवरण है, जो दर्शाता है कि आपके पास मूंगा आवरण के प्रभुत्व वाले क्षेत्र कहां है।

मूंगा रेत पर नहीं उग सकता। पॉलीप्स को अपने चूना पत्थर-स्रावित निकायों से चट्टान का विस्तार शुरू करने से पहले चट्टान जैसी कठोर सतह से जुड़ना पड़ता है। हमारे कुछ मानचित्रों में बेंटिक सब्सट्रेट्स का बारीक विवरण शामिल है, जिसका अर्थ है कि जहां मूंगा होने की सबसे अधिक संभावना है और पॉलीप्स के लिए उपलब्ध सब्सट्रेट्स (समुद्र तल), जैसे मौजूदा मूंगा, रेत, मलबे या समुद्री घास। यह विश्व की प्रवाल भित्तियों के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। हम उथले पानी की चट्टानों की पूरी सीमा की खोज कर रहे है - जबकि अन्य शोधकर्ता गहरे पानी में बड़ी नई काली मूंगा चट्टानों की खोज कर रहे है। लेकिन जब हम ये खोज कर रहे है, तो मूंगा चट्टानें हिल रही है।

यूनान में समलैंगिक विवाह हुआ वैध

एथेंस (वार्ता)। पश्चिमी सभ्यता का गुरु माना जाने वाला यूनान पारंपरिक मानदंडों को तोड़ते हुए समलैंगिक विवाह को वैध बनाकर रूढ़िवादी देशों में अग्रणी बन गया है।प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस और न्यू डेमोक्रेसी पार्टी द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक निर्णय प्रभावशाली रूढ़िवादी चर्च के कड़े विरोध के बावजूद आया है। संसद ने बुधवार को एक विधेयक को मंजूरी दे दी जो न केवल समलैंगिक विवाह को वैध बनाता है बल्कि समान लिंग वाले परिवारों द्वारा गोद लेने को भी कानूनी जामा पहनाता है।

दो दिनों की बहस के बाद विधेयक को भारी समर्थन मिला और संसद में उपस्थित 245 सांसदों में से इसके पक्ष में 176 ने मतदान किया। प्रधानमंत्री ने इस निर्णय को मानवाधिकारों के लिए मील का पत्थर और यूनान को प्रगतिशील और लोकतांकि देश,जो यूरोपीय मूल्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है के रूप में प्रतिबिंबित किया। प्रभावशाली ऑर्थोडॉक्स चर्च के कड़े विरोध के बावजूद, विपक्षी दलों के समर्थन से देश इस ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना। स्वयं को सार्वजनिक तौर पर समलैंगिक घोषित करने वाले श्री स्टेफानोस कासेलाकिस के नेतृत्व वाली वामपंथी सिरिजा पार्टी की भी इस बदलाव के लिए मतदान में महत्वपूर्ण भूमिका रही। परंपरा और प्रगतिशील आदर्शों के बीच टकराव एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों को स्वीकार करने और उनकी रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव को रेखांकित करता है।श्री कासेलाकिस के व्यक्तिगत अनुभवों ने बहस में एक मानवीय आयाम जोड़ा, जिसमें समान-लिंग वाले जोड़ों और उनके परिवारों पर कानूनी असमानताओं के वास्तविक दुनिया के प्रभाव पर जोर दिया गया।

रैपर डिवाइन और करण औजला का एल्बम लॉन्च

मुंबई (आईएएनएस)। रैपर डिवाइन ने अपने लेटेस्ट एल्बम 'स्ट्रीट ड्रीम्स' के लिए लोकप्रिय पंजाबी म्यूजिशियन करण औजला के साथ काम किया है। मुंबई में डिवाइन और करण औजला ने स्टार-स्टडेड इवेंट में 'स्ट्रीट ड्रीम्स' एल्बम लॉन्च किया। करण ने कहा, 'स्ट्रीट ड्रीम्स' के लिए डिवाइन के साथ टीम बनाना एक शानदार एक्सपीरियंस था। उनकी टैलेंट और क्रिएटिविटी ने वास्तव में यूनीक एनर्जी ला दी है और मैं इस पर हर किसी का फीडबैक जानने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं। यह हम दोनों के लिए स्पेशल एल्बम है। डिवाइन ने कहा, 'स्ट्रीट ड्रीम्स' के लिए करण के साथ काम करना वास्तव में अद्भुत था। वह असाधारण रूप से प्रतिभाशाली है, और साथ में हमने एक बहुत ही स्पेशल एल्बम बनाया है। मुझे विश्वास है कि यह दुनिया भर में हमारे फैंस को पसंद आएगा।

करीना ने विनी हार्ले के साथ दिए पोज इंस्टा पर शेयर की तस्वीरें

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने दुबई में कनाडाई फैशन मॉडल विनी हार्ले के साथ एक तस्वीर शेयर की। करीना ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में, वह ओसियन ग्रीन शिमरी ड्रेस पहने हुए मिरर सेल्फी ले रही है। एक्ट्रेस ने इसे कैप्शन दिया: इस तरह जागी। दूसरी तस्वीर में वह लिफ्ट के मिरर में भी सेल्फी क्लिक कर रही है। इसके बाद एक्ट्रेस ने हार्ले के साथ एक तस्वीर साझा की, जो विटिलिगो स्किन को लेकर पब्लिक स्पोकपर्सन भी हैं। इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही करीना ने लिखा, खूबसूरत विनी हार्ले के साथ। बता दें, विनी हार्ले ने 2014 में टीवी सीरीज 'अमेरिका नेक्स्ट टॉप मॉडल' से सुर्खियां बटोरीं।

'उड़ान' में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने वाली कविता चौधरी का निधन

अमृतसर (भाषा)। दूरदर्शन के मशहूर धारावाहिक 'उड़ान' में पुलिस अधिकारी 'कल्याणी' की भूमिका निभाने वाली कविता चौधरी का बृहस्पतिवार रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 67 वर्ष की थीं। कविता को 1980 के दशक के अंत में टेलीविजन में दिखाए जाने वाले सर्फ के विज्ञापन के जरिए घर-घर में गृहिणी ललिता जी के रूप में पहचान मिली थी।

उनके रिश्तेदार अजय सयाल ने बताया, ' अमृतसर के एक अस्पताल में कल रात साढ़े आठ बजे दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उन्हें निम्न रक्तचाप की दिक्कत के कारण कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनकी हालत बिगड़ गई गई थी।' कविता का अंतिम संस्कार शुक्रवार को सुबह यहां किया गया। उनके परिवार में भांजा सयाल और एक भांजी है। कविता को महिला सशक्तीकरण पर आधारित धारावाहिक 'उड़ान' में आईपीएस अधिकारी कल्याणी सिह की भूमिका के लिए खूब पसंद किया गया था। यह धारावाहिक 1989 से 1991 के बीच दूरदर्शन पर आया था।

200 करोड़ की कमाई 'फाइटर' ने की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रौशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' ने 200 करोड़ की कमाई कर ली है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म फाइटर 25 जनवरी को प्रदर्शित हुई है। यह फिल्म एरियल एक्शन ड्रामा है, जिसमें एयर फोर्स के फाइटर पायलट्स की कहानी को दिखाया गया है। फिल्म फाइटर में ऋतिक और दीपिका की रोमांटिक जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

शिवानी सिंह का गाना रील वाला लईका रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका शिवानी सिंह का गाना रील वाला लईका रिलीज हो गया है। गाना रील वाला लईका एक लड़की की ख्वाहिश का इजहार है, जिसमें लड़की को रील बनाने वाला लड़का पसंद आ जाता है। शिवानी सिंह ने इसी चाहत को अपने स्वरों से सजाया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में श्वेता शर्मा उस लड़की के किरदार में नजर आ रही है, जिससे रील वाला लईका यानी मैगो मैन पसंद आ गया है। गाना रील वाला लईका के गीतकार अजीत मंडल है, जिन्होंने और संगीतकार आर्य शर्मा है।

रणबीर कपूर को 'महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड

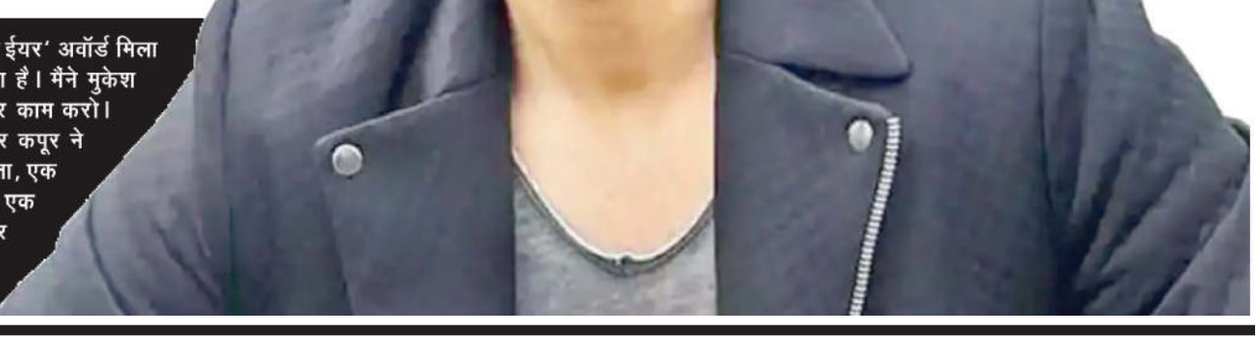

मुंबई (वार्ता) । बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता रणबीर कपूर को 'महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मिला है। इस मौके पर रणबीर कपूर ने कहा,मेरा पहला लक्ष्य सार्थक काम करते रहना है। मैंने मुकेश (अंबानी) भाई से कई सलाह ली। उन्होंने मुझसे कहा कि अपना सिर नीचे रखो और काम करो। सफलता को अपने सिर पर और असफलता को अपने दिल पर मत आने दो। रणबीर कपूर ने कहा, मेरा दूसरा लक्ष्य एक अच्छा इंसान बनना है। मैं एक अच्छा बेटा, एक अच्छा पिता, एक अच्छा पति और एक अच्छा दोस्त बनना चाहता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं एक अच्छा नागरिक बनना चाहता हूं। मुझे मुंबईकर होने पर बहुत गर्व है और ऐसे पुरस्कार मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं।

खबर संक्षेप

सोना 180 रुपए चढ़ा, चांदी 900 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना 180 रुपये की मजबूती के साथ 62,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी ने यह जानकारी दी। पीली धातु 62,270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, चांदी 900 रुपये चढ़कर 75,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अकासा एयर 28 मार्च से दोहा के लिए भरेगी उड़ान

नई दिल्ली। अकासा एयर 28 मार्च को मुंबई से दोहा के लिए उड़ान भरने के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'अकासा एयर मुंबई को (कतर की राजधानी) दोहा से जोड़ते हुए 28 मार्च 2024 से सप्ताह में चार सीधी उड़ानें संचालित करेगी। इससे कतर और भारत के बीच हवाई संपर्क बढ़ेगा।'

सरकार ने शुरू की फाइलिंग की केंद्रीकृत व्यवस्था

नई दिल्ली। सरकार ने कंपनी कानून और सीमित देयता भागीदारी अधिनियम के तहत फाइलिंग को 'समयबद्ध और बिना आमने-सामने आये' पूरा करने के लिए केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत की है। इससे कारोबारी सुगमता को बढ़ाना मिलेगा। शुरुआत में केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र में कंपनी कानून के तहत 12 फॉर्म और आवेदन प्रसंस्कृत किए जाएंगे।

एंटरो हेल्थकेयर दो फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों की वितरक कंपनी एंटरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस के शेयर निर्गम मूल्य 1,258 रुपये से दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। एनएसई पर शेयर ने 1,258 रुपये के निर्गम मूल्य से 2.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,228.70 रुपये पर कारोबार शुरू किया।

जीपीटी हेल्थकेयर का आईपीओ 22 को खुलेगा

नई दिल्ली। आईएलएस हॉस्पिटल्स ब्रांड के अंतर्गत अस्पताल चलाने वाली जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 फरवरी को खुलेगा। आईपीओ के लिए शेयर बाजार नियामक सेबी के पास जमा दस्तावेज के अनुसार, एंकर निवेशकों एक दिन पहले यानी 21 फरवरी को शेयर खरीद के लिए बोली लगा सकेंगे।

ल्यूपिन को मिंजोया के लिए अमेरिका से मंजूरी

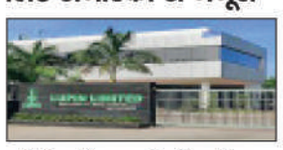

नई दिल्ली। दवा कंपनी ल्यूपिन लिमिटेड को गर्भ निरोधक गोली जेनेरिक 'मिंज़ोया' के विपणन के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिल गई है। ल्यूपिन ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दी गई मंजूरी 0.1 मिलीग्राम/0.02 मिलीग्राम और 36.5 मिलीग्राम की क्षमता वाली मिंज़ोया (लेवोनोर्गेस्ट्रेल, एथिनिल एस्ट्राडियोल टैबलेट और फेरस बिस्ग्लाइसीनेट टैबलेट) के लिए है। कंपनी ने कहा कि उत्पाद का निर्माण भारत में ल्यूपिन की पीथमपुर सुविधा में किया जाएगा।

भारत में दोबारा प्रवेश की तैयारी में है अमेरिकन कार कंपनी 'फोर्ड मोटर्स'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी ऑटोमोबाइल दिग्गज, फोर्ड मोटर्स ने भारतीय बाजार में कम सेल होने के चलते 2021 में भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार को अलविदा कह दिया था।

- फोर्ड ने भारत में मस्टग मच-ई नेमप्लेट को किया ट्रेडमार्क

हालांकि, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि फोर्ड मोटर्स भारत में फिर से वापसी की योजना बना रहा है। क्योंकि कंपनी ने हाल ही में नेक्स्ट जनरेशन इंडिवर के लिए डिजाइन पेटेंट के लिए आवेदन किया था। अब, फोर्ड ने भारत में मस्टग मच-ई नेमप्लेट को ट्रेडमार्क किया है। जो ये संकेत देता है कि कंपनी भारतीय बाजार में फिर से एंट्री ले सकती है। इसके अलावा, विनफास्ट, एमजी और टाटा मोटर्स जैसे कारमेकर्स से ऑफर मिलने के बावजूद, फोर्ड ने अपने चेन्नई प्लांट की बिक्री को टाल दिया है और कंपनी इस पर पुनर्विचार कर रही है।

कंपनी ने नई नौकरियों को भी लिस्ट किया है, जिससे बाजार में इसके दोबारा प्रवेश की अटकलों को बल मिला है। हालांकि, फोर्ड ने इस मामले में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

कंपनी ने नेक्स्ट जनरेशन इंडिवर के डिजाइन पेटेंट के लिए किया आवेदन

मच-ई 470 किलोमीटर का रेंज आफर करती है

इंटरनेशनल मार्केट में स्टैंडर्ड और लॉन्ग रेंज ऑप्शन्स के साथ मच-ई आरडब्ल्यूडी या एडब्ल्यूडी कॉनफ़िगरेशन में उपलब्ध है। एंट्री लेवल आरडब्ल्यूडी मच-ई 72केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ आता है जो 269 एचपी की पावर और 430एनएम टॉर्क जनरेट करता है और 470किलोमीटर की रेंज ऑफर करता है। वहीं, रेंज एक्सटेंडर वेरिएंट 91 केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ आता है और 294एचपी की पावर और 430एनएम टॉर्क जनरेट करता है और 600किमी की रेंज ऑफर करता है।

रेंज 548 किमी की

जबकि, 91 केडब्ल्यूएच रेंज एक्सटेंडर के साथ वाला एडब्ल्यूडी वर्जन 351 एचपी की पावर और 580एनएम का टॉर्क जनरेट करता है और इसकी रेंज 548किमी है। अंत में टॉप जीटी एडब्ल्यूडी वेरिएंट की बात करें तो 91केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ आता है और ये 487एचपी की पावर और 850एनएम टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही ये 489किमी की रेंज ऑफर करता है।

भारत में बतौर सीबीयू आने की उम्मीद

फोर्ड मस्टग मच-ई के बारे में ये उम्मीद की जा रही है कि इसे भारत में एक आयात नियम के तहत (सीबीयू) कंप्लीटली बिल्ट यूनिट के रूप में लाया जा सकता है। जो बिना होमोलोगेशन के 2,500 यूनिट्स तक की अनुमति देता है। भारत में इसकी लांच के बाद कीमत 1 करोड़ रुपए (एक्स-शोरूम) के आसपास तक रखी जा सकती है।

बिजी बी एयरवेज के साथ मिलकर बोली लगाई

स्पाइसजेट के अजय सिंह ने गो फर्स्ट के लिए लगाई संयुक्त बोली, मई से उड़ानें बंद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विमानन कंपनी स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज के साथ मिलकर दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही एयरलाइन गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई है। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि बिजी बी एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ सिंह ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में गो फर्स्ट के लिए बोली जमा की है।

बिजी बी एयरवेज के बारे में कोई भी विवरण नहीं दिया गया है। लेकिन कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, बिजी बी एयरवेज का गठन 29 अप्रैल, 2017 को दिल्ली में किया गया था और इसके पास एक लाख रुपये की चुकता पूंजी है।

स्पाइसजेट छंटनी कर लागत घटाने में लगी

सिंह ने यह बोली ऐसे समय लगाई है जब खुद स्पाइसजेट संकट से उबरने के लिए वित्त जुटाने की कोशिशों और छंटनी कर लागत घटाने में लगी हुई है। इस बीच शरजाह स्थित स्काई वन एफजेडई ने भी गो फर्स्ट के लिए बोली लगाने की सूचना दी है।

गो फर्स्ट एयरलाइंस दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही ▶ **सिंह ने व्यक्तिगत क्षमता में गो फर्स्ट के लिए बोली जमा की** ▶ **खुद स्पाइसजेट संकट से उबरने वित्त जुटाने की कोशिश में लगा है**

गो फर्स्ट में अपार संभावनाएं

इस सहयोग से दोनों एयरलाइंस के बीच तालमेल पैदा होने की उम्मीद है, जिससे लागत प्रबंधन में सुधार, राजस्व वृद्धि और बाजार में मजबूत स्थिति पैदा होगी। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सिंह ने कहा है कि गो फर्स्ट में अपार संभावनाएं हैं और इसे स्पाइसजेट के साथ करीबी तालमेल में काम करने के लिए दोबारा खड़ा किया जा सकता है और इससे दोनों को ही लाभ होगा।

कारोबार को नए सिरे से व्यवस्थित करना

स्पाइसजेट ने यह बोली लगाकर कारोबार को नए सिरे से व्यवस्थित करने के संकेत दिए हैं। वित्तीय समस्याओं और कानूनी उलझनों में फंसी स्पाइसजेट 744 करोड़ रुपये का वित्त जुटा चुकी है और उसने 1,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है।

100 से अधिक एयरबस के लिए ऑर्डर

सिंह ने कहा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर प्रतिष्ठित स्लॉट, अंतरराष्ट्रीय यातायात अधिकार और 100 से अधिक एयरबस नियो विमानों के ऑर्डर के साथ गो फर्स्ट यात्रियों के बीच एक विश्वसनीय और मूल्यवान ब्रांड है। इस बीच, बोली लगाने की खबर सामने आने के बाद स्पाइसजेट का शेयर बीएसई में 11.28 प्रतिशत उछलकर 70.81 रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही

गंभीर वित्तीय संकट में फंसी गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में उड़ानें बंद कर दी थीं और वह इस समय दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। इसी क्रम में उसके लिए बोलियां लगाई जा रही हैं। स्पाइसजेट ने विज्ञप्ति में कहा, /"नई एयरलाइन के लिए परिचालन भागीदार के तौर पर स्पाइसजेट की भूमिका जरूरी कर्मचारी, सेवाएं और उद्योग विशेषज्ञता मुहैया कराने की है।

गो फर्स्ट के लिए एक और दावेदार

इस बीच, गो फर्स्ट के लिए एक और दावेदार के तौर पर सामने आई स्काई वन के चेयरमैन जयदीप मीरचंदानी ने कहा कि अब बोली की जांच-पड़ताल के दूसरे चरण का इंतजार है। उन्होंने विमानन क्षेत्र में अपने अनुभव को देखते हुए इस अधिग्रहण का भरोसा जताया।

बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी, सेंसेक्स 376 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में कुछ प्रमुख शेयरों में लिवाली के दम पर शुक्रवार को लगातार चौथे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 376 अंक लाभ में रहा। एनएसई निफ्टी भी 22,000 के स्तर को पार करने में सफल रहा।

विश्लेषकों के मुताबिक, मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), इन्फोसिस और महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) के शेयरों में खरीदारी आने से निवेशक धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 376.26 अंक यानी 0.52 प्रतिशत चढ़कर 72,426.64 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 129.95 अंक यानी 0.59 प्रतिशत बढ़कर 22,040.70 अंक पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा, /"बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली आने से निफ्टी को मजबूती मिली और यह साप्ताहिक आधार पर

- एनएसई निफ्टी भी 22,000 के स्तर को पार करने में सफल
- एलएंडटी और इंफोसिस में रही खरीदारी

अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर बंद हुआ।/"सेंसेक्स समूह में शामिल विप्रो ने सर्वाधिक 4.79 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की जबकि एमएंडएम 3.96 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा एलएंडटी, टाटा मोटर्स, मारुति, इन्फोसिस, नेस्ले इंडिया और इंडसइंड बैंक के शेयर भी बढ़त लेने में सफल रहे।

दूसरी तरफ पावरग्रिड, एसबीआई, रिलायंस, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

पेटीएम का शेयर पांच प्रतिशत चढ़ा

पेटीएम का शेयर शुक्रवार को पांच प्रतिशत मजबूत हुआ। इससे पहले पेमेंट्स बैंक में नियमों के लगातार अनुपालन नहीं करने को लेकर नियामकीय कार्रवाई के बीच इसमें लगातार तीन दिन गिरावट आई थी। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का शेयर इस दौरान बीएसई और एनएसई पर अपनी ऊपरी सर्किट तक भी पहुंच गया। कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में गिरने के बावजूद बीएसई पर 341.50 रुपये प्रति शेयर और एनएसई पर 341.30 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

यामाहा की 3 लाख स्कूटर्स में आई खराबी, सभी को वापस बुलाया

- कंपनी ने 125 सीसी हाइब्रिड स्कूटर्स की सभी यूनिट रिकॉल की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यामाहा ने 3 लाख से ज्यादा स्कूटर्स में खराबी आई है। जिसके बाद कंपनी ने 125सीसी हाइब्रिड स्कूटर्स की सभी यूनिट्स को रिकॉल किया है। रिकॉल किए गए स्कूटर्स को 1 जनवरी 2022 से 4 जनवरी 2024 के बीच तैयार किया गया है। कंपनी ने इन सभी को इमीडिएट तौर पर रिकॉल किया गया है। इस रिकॉल का मकसद ब्रेक लिवर फंक्शन में आ रही परेशानी को रिजॉल्व करना है। इसकी वजह से एक्सीडेंट होने के चांस भी हैं। कंपनी ने बताया कि उसके रे जेडआर 125 एफआई हाइब्रिड और फेसिनो 125 एफआई हाइब्रिड स्कूटर (जनवरी 2022 के बाद बने) के ब्रेक लिवर फंक्शन में परशानी सामने आई है।

पार्ट रिप्लेसमेंट फ्री ऑफ कॉस्ट होगी: इस परेशानी को फिक्स करने के लिए पार्ट रिप्लेसमेंट फ्री-ऑफ-कॉस्ट होगे। यानी, ग्राहकों को इसके लिए कोई पैसा नहीं देना होगा। अगर आपने 1 जनवरी 2022 से 4 जनवरी 2024 के बीच बने यामाहा रे और फेसिनो में से कोई भी स्कूटर खरीदा है तो इसका मतलब है कि आप रिकॉल में शामिल है। यानी आपको अपना स्कूटर डीलरशिप ले जाना होगा। हालांकि, अगर आपके स्कूटर की मेकिंग इस समय अवधि से अलग है तो आप रिकॉल से बाहर हैं।

एसबीआई की सीआरआर को कम करने आरबीआई से चर्चा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश खारा ने शुक्रवार को कहा कि देश का सबसे बड़ा ऋणदाता हरित जमा पर नकद आरक्षित अनुपात की आवश्यकता को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के साथ बातचीत कर रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने खुदरा जमा को आकर्षित करने के लिए पिछले महीने एक हरित जमा योजना की घोषणा की थी। इसका इस्तेमाल केवल हरित बदलाव परियोजनाओं या जलवायु-अनुकूल परियोजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। बैंक ने कहा कि ऐसी जमाओं की कीमत सामान्य जमा

- पिछले महीने एक हरित जमा योजना की घोषणा की थी
- वर्तमान में सीआरआर 4.5 प्रतिशत आंका गया है

दरों से 10 आधार अंक कम होगी। नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) नकदी की वह न्यूनतम राशि है जिसे किसी बैंक को अपनी कुल जमा राशि के मुकाबले केंद्रीय बैंक के पास आरक्षित रखने की आवश्यकता होती है।

भारत में बाजार वृद्धि के लिए कई विकल्प तलाशेगा सोनी समूह

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट के साथ प्रस्तावित विलय समझौता खत्म होने के बाद सोनी नेटवर्क भारत में वृद्धि के अवसरों के लिए विभिन्न विकल्पों की तलाश करेगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सोनी नेटवर्क के चेयरमैन एवं मुख्य परिचालन अधिकारी हिरोकी तोतोकी ने वित्तीय नतीजों का ब्योरा देते समय कहा कि भारत दीर्घावधि में व्यापक संभावनाएं रखने की वजह से एक बेहद आकर्षक बाजार है जहां कंपनी निवेश करना जारी रखेगी।तोतोकी ने सोनी की भारतीय गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'दीर्घकालिक आधार पर भारत में विकास की काफी संभावनाएं हैं।

अब 'फास्टैग' जारी नहीं कर पाएगा पेटीएम बैंक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टोल संग्रहण इकाई भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड ने राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को परेशानी से बचने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अलावा 32 अधिकृत बैंकों से 'फास्टैग' सेवाएं लेने की सलाह दी है।

आईएचएमसीएल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी देते हुए लिखा अपना 'फास्टैग' 32 अधिकृत बैंकों से खरीदें। इन 32 अधिकृत बैंकों में एयरटेल पेमेंट्स बैंक,इलाहाबाद बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक शामिल हैं।

कैशबैक या रिफंड किया जा सकता है जमा : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उत्पाद, वॉलेट व फास्टैग में 29 फरवरी 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार न करने का 31 जनवरी को निर्देश दिया था। हालांकि, कोई भी ब्याज, 'कैशबैक' या 'रिफंड' ग्राहकों के खातों में किसी भी समय वापस जमा किया जा सकता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा एबीस फीड प्लांट: रूपाला

- स्वचालित एबीस फीड प्लांट का उद्घाटन
- इस प्लांट के माध्यम से देश में हाई क्वालिटी मत्स्य आहार की पूर्ति होगी

राजनांदगांव। जिले के ग्राम सुखरी में देश के पहले पूर्णतः स्वचालित एबीस हाइब्रिड माइक्रो पैलेट फिश फीड प्लांट का केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परशोत्तम रूपाला ने शुभारंभ किया।

शुभारंभ अवसर पर राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडे, एबीस ग्रुप के संस्थापक एवं चेयरमेन सुल्तान अली, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक बहादुर अली, उद्यमी जोया आफरीन आलम सहित बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।शुक्रवार को राजनांदगांव जिले के ग्राम सुखरी में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परशोत्तम रूपाला ने भारत के पहले पूर्णतः स्वचालित प्रतिदिन 600 मीट्रिक टन उत्पादन क्षमता वाली एबीस फिश फीड प्लांट का उद्घाटन किया। इस प्लांट के माध्यम से देश में हाई क्वालिटी मत्स्य आहार की पूर्ति होगी। साथ ही प्लांट के माध्यम से आसपास के क्षेत्र में लगभग ढाई हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

रूपालाएबीस फील्ड प्लांट के उद्घाटन अवसर पर पहुंचे केंद्रीय पशुपालन मंत्री परशोत्तम रूपाला ने कहा कि भारत में कृषि और पशुपालन एक मजबूत अर्थव्यवस्था है, जो ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होती है। इस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कोरोनाकाल के दौरान 20 लाख करोड़ की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना बनाई। जिसका मकसद था कि पोस्ट हार्वेस्टिंग मैनेजमेंट के नुकसान से लेकर स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन में इस फंड का उपयोग कर इसे आगे बढ़ाया जाए।

गांव में रहकर गांव का विकास

बहादुर अलीएबीस फिश फीड प्लांट की राजनांदगांव में स्थापना को लेकर आईबी ग्रुप के संस्थापक बहादुर अली ने राजनांदगांव की माटी को प्रणाम करते कहा कि आज गर्व की बात है कि केंद्रीय मंत्री ने इस प्लांट का उद्घाटन किया है। उन्होंने कहा कि आईबी ग्रुप की सोच रही है कि गांव में रहकर गांव का विकास किया जाए। आईबी ग्रुप किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रहा है। जिससे हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं और क्षेत्र से पलायन खत्म हुआ है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की नई योजना 'एलआईसी की अमृतबाल' लॉन्च

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम ने एक नया उत्पाद एलआईसी का अमृतबाल, डॉ. विवेक जोशी, सचिव, वित्तीय सेवाएं, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के हाथों लॉन्च किया। यह प्लान कल 17 फरवरी से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एलआईसी के अमृतबाल के लिए विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईएन) यूआईएन: 512N365V01 है। एलआईसी की अमृतबाल एक व्यक्तिगत, बचत, जीवन बीमा योजना है। यह योजना विशेष रूप से बच्चे की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि रखने के लिए बनाई गई है।

यह शुरुआत से लेकर पॉलिसी अवधि के अंत तक प्रत्येक पॉलिसी वर्ष के अंत में 80 रुपये प्रति हजार मूल बीमा राशि की दर से निश्चित अभिवृद्धि के माध्यम से धन संचय की सुविधा प्रदान करता है, बशर्ते पॉलिसी लागू हो। योजना को एजेंटों / अन्य मध्यस्थों के माध्यम से ऑफ़लाइन और साथ ही वेबसाइट **www.licindia.in** के माध्यम से सीधे ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।

सुयश हॉस्पिटल में बिना चीर-फाड़ के वाल्व रिप्लेसमेंट

रायपुर। कोटा स्थित सुयश हॉस्पिटल के हृदय रोग विभाग ने एक महत्वपुर्ण मुकाम हासिल करते हुए बिना चीर फाड़ के हृदय के वाल्व रिप्लेसमेंट की प्रक्रिया शुरू की है। विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव त्रिपाठी के मुताबिक वे मरीज जिनके दिल के वाल्व में खराबी आती है। उन्हें सामान्यतः ओपन हार्ट सर्जरी के द्वारा वाल्व चेंज करवाना होता है। ओपन हार्ट सर्जरी एक जटिल प्रक्रिया है और वो मरीज जो ज्यादा उम्र या अन्य किसी बीमारी की वजह से सर्जरी के लिए फिट नहीं होते। उन्हें बिना इलाज के ही जान गवानी पड़ती है। आधुनिक युग में बिना चीर-फाड़ के पांव की नस के रास्ते से वाल्व को चेंज करना संभव हुआ है। इस

प्रक्रिया के बाद अगले दिन मरीज की छुट्टी करना भी संभव है। उक्त मरीज के वाल्व में बाइकस्पीड एओर्टिक वाल्व की समस्या जन्मजात थी जिसको डॉ गौरव त्रिपाठी एवं उनकी टीम ने बिना सर्जरी के ठीक किया।

राज्य में अपने तरह की यह पहली प्रक्रिया है। सुयश हॉस्पिटल एवं उनकी टीम लगातार नए कीर्तिमान रचने में सफल रही है।

सुमीत ग्रुप के 'शॉपिंग उत्सव' का 6वां मिनी लकी ड्रॉ कल

रायपुर। सुमीत ग्रुप की सबसे बड़ी उपहार योजना 'शॉपिंग उत्सव' का 6वां मिनी ड्रॉ 18 फरवरी, रविवार को डुमरतराई स्थित शुभम के-मार्ट में निकाला जाएगा।

कूपनधारियों की मौजूदगी में होने वाले इस मिनी ड्रॉ में टाटा नेक्सन कार, ओला बाइक, गोल्ड कॉइन समेत अन्य उपहारों के विजेताओं की घोषणाएं की जाएगी। यह सुमीत ग्रुप की छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी उपहार योजना है। जिसमें 10

करोड़ से अधिक के उपहार हैं। यह उपहार योजना 15 अक्टूबर, 2023 से 5 मार्च, 2024 तक की खरीदी पर लागू है। इस उपहार योजना के दौरान सात मिनी ड्रॉ और एक बंपर ड्रॉ निकाला जाना है।

वहीं, अब तक पांच मिनी ड्रॉ निकाले जा चुके हैं, जिसमें 13,390 ग्राहकों ने उपहार जीते हैं। छठवें मिनी ड्रॉ के लिए शॉपिंग का चरण 22 जनवरी से शुरू होकर 14 फरवरी तक था।

अंतिम मिनी ड्रॉ के लिए शॉपिंग का 7वां चरण शुरू

उपहार योजना के सातवें और अंतिम मिनी ड्रॉ के लिए शॉपिंग का सातवां चरण 15 फरवरी से शुरू हो गया है जो 5 मार्च तक चलेगा। सातवां मिनी ड्रॉ 10 मार्च को निकाला जाएगा। लोगों के पास अभी भी मौका है खरीदी पर फ्री लकी कूपन के जरिए मिनी ड्रॉ में कार, बाइक और ढेर सारे अन्य उपहार जीतने, और साथ ही बंपर ड्रॉ में शामिल होने का।

खबर संक्षेप

फिर रणजी मैच में नहीं खेले इशान

जमशेदपुर। इशान किशन की रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थिति जारी रही जब झारखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाला यह विकेटकीपर बल्लेबाज शुक्रवार को शुरू हुए अंतिम दौर के मैच में भी टीम का हिस्सा नहीं बना। इशान का यह कदम भारतीय क्रिकेट बोर्ड को पसंद नहीं आएगा, विशेषकर सचिव जय शाह के फरमान के बाद। झारखंड जमशेदपुर में राजस्थान से खेल रहा है। यहां तक कि तेज गेंदबाज दीपक चाहर भी आखिरी दौर के रणजी मैच में नहीं खेले और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। इशान मुंबई इंडियन्स के अपने कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ बड़ौदा में ट्रेनिंग कर रहे हैं और मुंबई के डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में अपने नियोक्ता भारतीय रिजर्व बैंक के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे हैं।

सौरव घोषाल ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी सौरव घोषाल ने गुरुवार को अमेरिका के स्पेंसर लवजॉय को कड़े मुकाबले में 3-1 से हराकर वाशिंगटन में चल रहे स्क्वाश ऑन फायर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सैंतीस साल के घोषाल ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए स्थानीय खिलाड़ी स्पेंसर को 4-11, 11-8, 11-4, 13-11 से हराया। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी और छठे वरीय घोषाल को इस 51 हजार 500 डॉलर इनामी पीएसए विश्व टूर ब्रॉन्ज प्रतियोगिता के पहले दौर में बाई मिली थी।

कार्लोस ने काराबेली को दो सेट में हराया

ब्यूनस आयर्स। गत चैंपियन और शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज ने गुरुवार को यहां कैमिलो काराबेली को सीधे सेट में हराकर अर्जेन्टीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बीस साल के अल्कारेज ने अर्जेन्टीना के अपने प्रतिद्वंद्वी को 6-2, 7-5 से हराया। अल्कारेज अगले दौर में इटली के आंद्रिया वावासोरी से भिड़ेंगे जिन्होंने सर्बिया के लास्लो जेयर को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी। पिछले साल के उप विजेता दूसरे वरीय कैमरन नोरी को अर्जेन्टीना के फेडेरिको कोरिया ने 6-2, 4-6, 6-3 से हराया।

एनसीए सभी के लिए उपलब्ध नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में पैसे देकर प्रवेश का वादा करने वाले फर्जी विज्ञापनों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में स्थित इस एलीट सुविधा में 'योग्यता के आधार' पर ही प्रवेश मिलता है। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि हाल में उसने उभरते हुए क्रिकेटरों को एनसीए में प्रवेश कराने का वादा करते हुए फर्जी विज्ञापन देखे हैं। बोर्ड के सचिव जय शाह द्वारा जारी इस बयान में कहा गया, 'बीसीसीआई यह स्पष्ट करना चाहता है कि वह क्रिकेटरों से अपनी सुविधा के इस्तेमाल के लिए किसी भी तरह की राशि नहीं लेता है। बीसीसीआई के अपने 'प्रोटोकॉल' हैं और एनसीए में प्रवेश केवल योग्यता के आधार पर ही होता है।'

सबसे कम गेंदों पर 500 विकेट लेने वाले खिलाड़ी

अश्विन सबसे कम गेंदों पर 500 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 25714 गेंदों पर यह उपलब्धि हासिल की। मैक्ग्रा उनसे आगे हैं। उन्होंने सबसे कम 25528 गेंदों पर 500 विकेट लिए हैं। जेम्स एंडरसन ने 28150 और स्टुअर्ट ब्रॉड ने 28430 गेंदों पर 500 विकेट लिए।

सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

खिलाड़ी	देश	मैच	विकेट
मुथैया मुरलीधरन	श्रीलंका	133	800
शेन वॉर्न	ऑस्ट्रेलिया	145	708
जेम्स एंडरसन	इंग्लैंड	185	696*
अनिल कुंबले	भारत	132	619
स्टुअर्ट ब्रॉड	इंग्लैंड	167	604
ग्लेन मैक्ग्रा	ऑस्ट्रेलिया	124	563
कर्टनी वॉल्श	वेस्टइंडीज	132	519
नाथन लियोन	ऑस्ट्रेलिया	127	517
रविचंद्रन अश्विन	भारत	98	500*

टेस्ट : मेहमान टीम ने पहली पारी में दो विकेट पर बनाए 207 रन

डकेट का तूफानी शतक, इंग्लैंड ने बनाया दबदबा, टीम इंडिया 445 पर आलऑउट

राजकोट। रविचंद्रन अश्विन 500 टेस्ट विकेट के आंकड़े को छूने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के नाबाद तूफानी शतक से भारत के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में दो विकेट पर 207 रन बनाकर अपना पलड़ा भारी रखा। डकेट नाबाद 133 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारत के पहली पारी के 445 रन से इंग्लैंड अब 238 रन पीछे है। इंग्लैंड के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि उसने अब तक 35 ओवर में 32 बाउंड्री लगाई हैं जिसमें 29 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। भारत ने पदार्पण कर रहे ध्रुव जुरेल (46 रन) और अश्विन (37 रन) के बीच आठवें विकेट की 77 रन की साझेदारी से पहली पारी में 445 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा (131) और रविंद्र जडेजा (112) ने कल शतक जड़े थे। जसप्रीत बुमराह (26 रन) और मोहम्मद सिराज (नाबाद 03) ने अंतिम विकेट के लिए 30 महत्वपूर्ण रन जोड़े। डकेट ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 19 चौकों की मदद से सिर्फ 88 गेंद में अपना तीसरा शतक पूरा किया।

500वां विकेट पिता को समर्पित

भारतीय टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन बेहद खास उपलब्धि हासिल की। अश्विन ने अपने टेस्ट कॅरियर के 500 विकेट पूरे किए। रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉली को अपना 500वां शिकार बनाया और अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को पिता को समर्पित किया। अश्विन ने कहा, यह काफी लंबा सफर रहा है। मैं अपना 500वां विकेट अपने पिता को समर्पित करना चाहूंगा। मैं अपनी जिंदगी में जिस भी पड़ाव से गुजरा हूं, उसमें वो मेरे साथ रहे हैं। मेरे पिता ने निरंतर मेरा समर्थन किया। 500 विकेट पूरे हो गए और हम आगे बढ़ चुके हैं। हमारा मैच संतुलित है।

अश्विन फैमिली इमरजेंसी के कारण मैच से बाहर

इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे राजकोट टेस्ट के दौरान भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बीच मैच से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने फैमिली में मेडिकल इमरजेंसी के कारण तत्काल प्रभाव से नाम वापस लिया है। अश्विन अब अपने घर लौट गए हैं। हालांकि उनकी जगह अब प्लेइंग-11 में किसे शामिल किया जाएगा, इसका खुलासा अभी नहीं किया गया है। बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच जारी राजकोट टेस्ट का शनिवार को तीसरा दिन रहेगा। इस गंभीर परिस्थिति में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम के साथी खिलाड़ियों और स्टाफ समेत सभी सदस्यों का अश्विन और उनके परिवार को पूरा सपोर्ट है।

न्यूजीलैंड ने पहली बार अफ्रीका के खिलाफ जीती टेस्ट श्रृंखला

एजेंसी ▶▶| हैमिल्टन

केन विलियमसन के नाबाद शतक और विल यंग के साथ उनकी अटूट शतकीय साझेदारी से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर उसके खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखाला जीती। न्यूजीलैंड ने दो मैच की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। विलियमसन ने 260 गेंद में 12 चौकों और दो छक्कों से 133 रन की नाबाद पारी खेलने के अलावा विल यंग (नाबाद 60) के साथ चौथे विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी करके न्यूजीलैंड को तीन विकेट पर 269 रन पर पहुंचाकर जीतकर दिलाई। चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज करने के दौरान यह न्यूजीलैंड का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। विलियमसन ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में भी शतक जड़ा था जिसे न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीता था। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी के आधार पर 31 रन की बढ़त हासिल की थी और फिर दूसरी पारी में 235 रन बनाकर न्यूजीलैंड को 267 रन का लक्ष्य दिया।

विलियमसन का 172वीं पारी में 32वां शतक

विलियमसन ने अपना 32वां टेस्ट शतक 203 गेंद में पूरा किया। वह ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के साथ 32 शतक के आंकड़े तक पहुंचने वाले सिर्फ दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हैं। विलियमसन ने 172वीं पारी में 32वां शतक जड़ा और वह स्मिथ, रिकी पोंटिंग, सचिन तेंदुलकर, यूनिस खान, सुनील गावस्कर, कुमार संगकारा, जाक कैलिस और ब्रायन लारा जैसे खिलाड़ियों से कम पारियों में इस उपलब्धि को हासिल करने में सफल रहे। दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज विलियमसन ने श्रृंखला में चार पारियों में तीन शतक की

विश्व कप : दीपा और प्रणति फाइनल के लिए क्वालीफाई

काहिरा। भारत की स्टार जिमनास्ट दीपा करमाकर और प्रणति नायक ने शुक्रवार को यहां पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता एफआईजी अपरेटस विश्व कप के वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा ने कुल 13.449 अंक जुटाए जिससे वह क्वालीफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रही और फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया। प्रणति ने 13.166 अंक बनाए और वह सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। क्वालीफिकेशन राउंड से शीर्ष आठ जिमनास्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई करती हैं। पिछले महीने दीपा ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वापसी करते हुए 'ऑल राउंड' स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, इसके अलावा इस 30 साल की जिमनास्ट ने वॉल्ट और अनइवन बार्स में भी रजत पदक जीते थे। दीपा ने डोपिंग उल्लघंन के लिए 21 महीने के निलंबन के बाद पिछले साल जुलाई में वापसी की। वह अपनी स्पर्धा में चयन ट्रायल्स में शीर्ष पर रहने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों में नहीं जा सकी थीं क्योंकि वह खेल मंत्रालय के मानदंड को पूरा नहीं कर पायी थीं।

सदरलैंड ने महिला टेस्ट इतिहास में जड़ा सबसे तेज दोहरा शतक

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड ने शुक्रवार को महिला टेस्ट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा जब उन्होंने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन 248 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की ही केरेन रोल्टन के नाम था जिन्होंने 2001 में लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ 306 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया था। बाइस साल की अनाबेल 256 गेंद में 210 रन बनाकर आउट हुईं। उनके दोहरे शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी नौ विकेट पर 575 रन बनाकर घोषित की जो महिला टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 76 रन पर ढेर हो गई थी और दूसरी पारी में भी उसने दिन का खेल खत्म होने तक 67 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका अब भी पहली पारी के आधार पर 432 रन से पिछड़ रहा है।

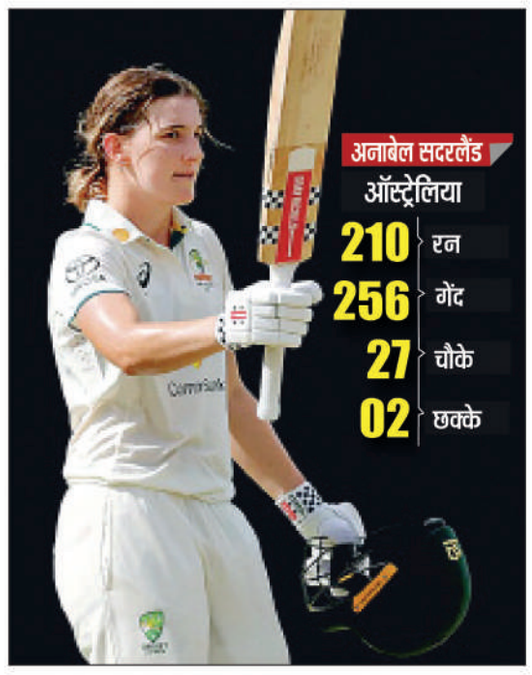

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन ने भारत को 3-2 से हराया

आयहिका, श्रीजा ने दुनिया की शीर्ष दो खिलाड़ियों को हराया

एजेंसी ▶▶| बुसान

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों आयहिका मुखर्जी और श्रीजा अकुला ने शुक्रवार को यहां दुनिया की शीर्ष दो खिलाड़ियों क्रमशः सुन यिंगशा और वैंग यिदी को हराया। इसके बावजूद भारत को विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में गत चैंपियन चीन के खिलाफ 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दुनिया की 155वें नंबर की खिलाड़ी आयहिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी यिंगशा को 12-10, 2-11, 13-11, 11-6 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा ने यिदी को एकतरफा मुकाबले में 3-0 (11-7 11-9 13-11) से हराया। भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी मनिका बत्रा ने हालांकि निराश किया और वह दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी वैंग मान्यु (3-11, 8-11, 15-13, 7-11) और यिंगशा (3-11, 6-11, 13-11, 9-11) के खिलाफ अपने दोनों एकल मुकाबले हार गई। मुकाबला इसके बाद 2-2 से बराबर था। छब्बीस साल की आयहिका भी इसके बाद मान्यु के खिलाफ सीधे गेम में 9-11, 11-13, 6-11 से हार गई जिससे भारत को शिकस्त झेलनी पड़ी।

अंतिम मिनट में गोल कर जीता भारत

भुवनेश्वर। भारतीय टीम ने शुक्रवार को यहां एफआईएच प्रो लीग मैच के अंतिम मिनट में गुरजंत सिंह के गोल की मदद से निचली रैंकिंग पर काबिज आयरलैंड को 1-0 से हराया।

मैच के ज्यादातर हिस्से में आयरलैंड ने अपने मजबूत रक्षण से भारतीयों को हताश किया लेकिन गुरजंत ने घरेलू टीम को शर्मसार होने से बचा लिया। गुरजंत ने 60वें मिनट में स्ट्राइक सर्कल के ऊपर से ताकतवर शॉट लगाकर आयरलैंड के गोलकीपर को छकाते हुए गोल दागा। चौथी रैंकिंग पर काबिज भारत को छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

क्वार्टर फाइनल में हांगकांग को 3-0 से चटाई धूल

भारतीय महिला टीम का ऐतिहासिक पदक सुनिश्चित

एजेंसी ▶▶| शाह आलम

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में हांगकांग पर 3-0 की जीत के साथ बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक पक्का किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन को हराकर ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद भारत ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की युगल जोड़ी की जीत के दम पर हांगकांग को हराया।

अब भारत का मुकाबला जापान और चीन के बीच होने वाले एक अन्य क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी करते हुए सिंधू ने अपने से निचली रैंकिंग वाली लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ कड़े मुकाबले में 21-7, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज की।

इसके बाद तनीषा और अश्विनी की महिला युगल जोड़ी ने येयुंग एनगा टिंग और येयुंग पुई लैम की दुनिया की 18वें नंबर की जोड़ी को 35 मिनट में 21-10, 21-14 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। अस्मिता ने येयुंग सुम यी पर 21-12, 21-13 की आसान जीत से भारत की जीत सुनिश्चित की और टीम के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का किया।

मौसम के अनुसार हमारी लाइफस्टाइल

ट्रांस फैट- कुछ पैकेज्ड और बेक्ड फूज ट्रांस फैट बढ़ाने का काम करते हैं। ट्रांस फैट की वजह से बढ़ा वजन लिवर के लिए अच्छा नहीं होता है। इस तरह का कोई भी फूड खरीदने से पहले इसके इनग्रेडिएंट लिस्ट पर ध्यान दें।

अल्कोहल की मात्रा- शराब का ज्यादा सेवन लिवर पर सीधा असर डालता है। ज्यादा शराब पीने से आप इसके आदी हो सकते हैं। लिवर को सुरक्षित रखना है तो अल्कोहल का सेवन कम से कम करें। पुरुषों को एक दिन में दो और महिलाओं को 1 ड्रिंक से ज्यादा नहीं लेना चाहिए।

डॉ. अशोक झिंगन

उपाय

अनहेल्दी फूड को कहें बाए- ऐसे भोजन से दूर रहें जो शुगर से भरपूर हों। क्योंकि शुगर आपकी आंतों में सूक्ष्मजीवों को परेशान करती है, यह ज्यादातर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कम करती है। आपकी आंतों में खराब बैक्टीरिया शुगर का उपयोग उर्वरक के रूप में करते हैं। इससे प्रतिरक्षाप्रणाली कमजोर हो सकती है।

फल- फैटी लीवर से बचने के लिए आप अपनी डाइट में फलों को शामिल कर सकते हैं। फल शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मदद कर सकते

मोटापा- बढ़ा हुआ वजन शरीर को कई समस्याएं दे सकता है। फैटी लीवर से बचने के लिए आप अपने वजन को कंट्रोल में रख सकते हैं।

टीकाकरण कराएं - अपने जोखिम को कम करने के लिए इन निवारक उपायों का पालन करें। भारत में, वायरल हेपेटाइटिस के लिए टीकाकरण ले सकते हैं।

न होने दें विटामिन डी की कमी- विटामिन डी की कमी होने से आपको फ्लू और सामान्य सर्दी जैसी कई बीमारियों के होने का खतरा बढ़ जाता है। अधिकांश लोगों के रक्त में विटामिन डी का स्तर सर्दियों के दौरान कम हो जाता है। सर्दियों के मौसम में धूप के संपर्क में कम आने से या कई दूसरे कारणों से विटामिन डी की कमी हो जाती है। इससे बचने लिए आप सप्लमेंट्स ले सकते हैं।

कमर दर्द और साइटिका का इलाज अब बिना ऑपरेशन संभव

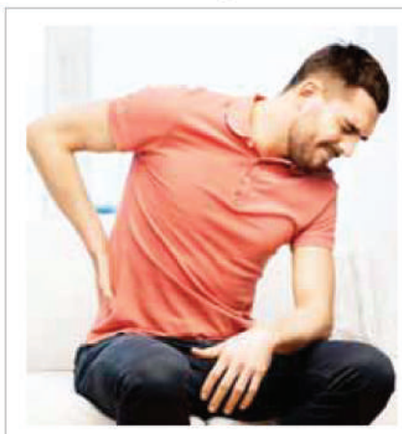

कमर दर्द और साइटिका ऐसी समस्याएं हैं जो पीड़ित व्यक्ति को एकदम लाचार कर देतीं हैं। जब फिजियोथेरेपी और पेनकिलर से लाभ नहीं मिलता, तब अक्सर डॉक्टर स्पाइन के ऑपरेशन का सुझाव देते हैं। ओजोन डिसेक्टोमी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे विदेश में हजारों पीड़ितों को बिना ऑपरेशन कमर दर्द से राहत मिली है। डॉ. ध्रुव बिबरा, दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर के क्लिनिकल डायरेक्टर समझाते हैं कि कमर दर्द का एक प्रमुख कारण स्लिप्ड डिस्क होता है। इस स्तिथि में रीड़ की हड्डी के बीच स्थित डिस्क सूझ जाती है और नस पर दबाव डालती है। जिसके दर्द उत्पन्न होता है। ओजोन डिसेक्टोमी प्रक्रिया में एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की सहायता से प्रभावित डिस्क में ओजोन डाला जाता है, और सूजन को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया के कोई साइड इफेक्ट नहीं होते और यह बिना किसी ऑपरेशन या हॉस्पिटल में दाखिल हुए दर्द से आराम पहुंचाती है। इस पद्धति का प्रयोग पिछले एक दशक से दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर में सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिससे अभी तक 25,000 से अधिक रोगियों का इलाज हो चुका है।

डॉ. ध्रुव बिबरा

रोजाना प्राणायाम करने से मिलते हैं कई फायदे

प्राणायाम एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें अपनी सांसों पर फोकस करना होता है। इसमें अलग-अलग तरीकों और समय के लिए अपनी सांसों को कंट्रोल करने की कोशिश की जाती है, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। प्राणायाम करने से सेहत के लिहाज से कई फायदे मिलते हैं, जिसकी वजह से योग में इसका काफी महत्व है। इससे मिलने फायदों की वजह से पश्चिमी सभ्यताएं भी इसे धीरे-धीरे अपना रही हैं। आइए जानते हैं, रोज प्राणायाम करना कैसे आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

बेहतर नींद

आजकल की भाग-दौड़ वाली लाइफ में चैन से सोना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नींद पूरी न होने की वजह से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं, जिनका खामियाजा आगे चलकर उठाना पड़ सकता है। प्राणायाम इस परेशानी को दूर करने में मदद करता है। प्राणायाम करने से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद अच्छी आती है। इसलिए रोज प्राणायाम करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड प्रेशर कम करने में मददगार

हाई ब्लड प्रेशर की वजह से हार्ट अटैक, स्ट्रोक का खतरा होता है। ब्लड प्रेशर अधिक होने की वजह से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस कारण से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में करना काफी जरूरी होता है। प्राणायाम करने से बॉडी रिलैक्स होती है, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है।

मेंटल हेल्थ के लिए लाभदायक

प्राणायाम करते वक्त सारा ध्यान अपनी सांसों पर लगाना होता है। इसलिए इस दौरान आप अपनी सांसों के लिए ज्यादा अवेयर होते हैं, जिस कारण से माइंडफुलनेस बढ़ाने में मदद मिलती है। यह एक प्रकार से मेडिटेट करने का तरीका भी होता है, जो मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है।

फेफड़ों के लिए फायदेमंद

प्राणायाम करने से फेफड़ों को मजबूत बनाने में काफी मदद मिलती है। प्राणायाम करते समय गहरी, लंबी सांसे लेनी होती हैं, जिससे फेफड़ों में मौजूद हर एलवियोली तक ऑक्सीजन पहुंचती है और फेफड़े के मसल्स भी मजबूत बनते हैं। इसलिए हेल्दी लंग्स के लिए प्राणायाम करना काफी फायदेमंद होता है।

स्ट्रेस कम करने में सहायता

लाइफस्टाइल की कई आदतों की वजह से कई लोगों के साथ स्ट्रेस बढ़ने की समस्या होती है। इस कारण से सेहत से जुड़ी कई परेशानियां हो सकती हैं। हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। तनाव कम करने में प्राणायाम काफी मददगार होता है।

आज ही पाएं मोतियाबिंद से छुटकारा

मोतियाबिंद (Cataract) कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह केवल बढ़ती उम्र का लक्षण है और किसी को भी हो सकता है। यह किसी भी आंखों के ड्रॉप्स के इस्तेमाल से या कोई और प्राकृतिक तरीके से ठीक नहीं किया जा सकता। इसका इलाज केवल ऑपरेशन है। दिल्ली के आदर्श नगर स्थित सेव साइट सैंटर के निदेशक डॉ. राजीव जैन के अनुसार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने वाले मरीजों के अधिकतर पूछे जाने वाले सवाल निम्न प्रकार के होते हैं।

-मोतियाबिंद का ऑपरेशन कब करवाना चाहिए ?

उत्तर- जब आपको धुंधली नजर से रोजमर्रा वाले काम जैसे पढ़ना, गाड़ी चलाने, इत्यादि में परेशानी होने लगे तो बिना इंतजार करे ऑपरेशन करवा लेना चाहिए।

डॉ. राजीव जैन

-ऑपरेशन किस मौसम में करवाना चाहिए ?

उत्तर: मोतियाबिंद का ऑपरेशन किसी भी मौसम में करवा सकते है बस ऑपरेशन के बाद बताई गई सावधानियों का पालन करना चाहिए।

-क्या यह ऑपरेशन दर्दनाक होता है?

उत्तर- ऑपरेशन से पहले आंखों को सुन्न करने के लिए ड्रॉप्स का इस्तेमाल किया जाता है जिससे आपको न के बराबर दर्द होगा।

-इस ऑपरेशन का खर्चा कितना होगा?

उत्तर: इसका खर्चा आपके लिए उपयुक्त लेंस के चयन पर निर्भर करता है और यह 15,000 रूपये से 90,000 रूपये तक हो सकता है।

-ऑपरेशन में कितना समय लगता है?

उत्तर: ऑपरेशन में केवल 12 -15 मिनट का समय लगता है। तो आप उसी दिन वापस घर भी जा सकते है।

-आंखे पूरी तरह से कब तक ठीक होती है?

उत्तर: आंखों को पूरी तरह से ठीक होने में 2-3 हफ्ते लग जाते है जबकि आप आसान रोजमर्रा के काम 1 हफ्ते के बाद से ही शुरू कर सकते है।

-क्या आंखों में डाले हुए लेंस की कोई अंतिम तिथि होती है?

उत्तर: नहीं, जब तक आप जीवित रहेंगे वो आपको बेहतर रौशनी देने में कामयाब रहता है।

उन्होंने आगे बताया कि सेव साइट सैंटर द्वारा 13 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 29 फरवरी, 2024 तक टेस्ट्स पर 13 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

क्या आप जानते हैं?

17 फरवरी का इतिहास

-**महात्मा** गांधी जी ने 1915 में पहली बार शांतिनिकेतन का दौरा किया।

-जिसमे दीनानाथ मंगेशकर ने तेजस्विनी की भूमिका अदा की तथा वीर वामनराव जोशी द्वारा लिखित रणदुंदुभी नाटक का 1927 में मुंबई में प्रयोग हुआ।

-1934 में पर्वतारोहण के दौरान बेल्जियम नरेश अल्बर्ट प्रथम की मौत हुई।

-फूलनदेवी हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त शमशेर सिंह राणा 2004 को तिहाड़ जेल से फरार।

-बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने 2005 में भारतीय नागरिकता की मांग की।

-अमेरिका की तत्कालीन विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने 2007 में इराक से सैनिकों को वापस बुलाये जाने की घोषणा की।

-अनिल अंबानी ग्रुप ने 2008 में रिलायंस पावर के सभी नान-प्रमोटर शेयर थारकों को मुफ्त बोनस शेयर देने पर विचार करने की घोषण की।

-चुनाव आयोग ने 17 फरवरी, 2014 में अंतिम चरण के मतदान खत्म होने तक एग्जिट पोल के प्रसारण पर रोक लगा दी।

-सऊदी अरब की सोमाया जिबार्ती को देश की पहली महिला मुख्य संपादक 17 फरवरी, साल 2014 में ही बनाया गया।

-तुर्की की राजधानी अंकारा में 17 फरवरी साल 2016 में कुर्द आतंकवादियों द्धारा काम बम धमाका किया गया, जिसमें करीब 28 लोगों की मौत हो गई।

कई औषधीय गुणों से भरपूर है काली मिर्च

काली मिर्च एक मसाला है, जो हमारे किचन में आसानी से मिल जाता है। काली मिर्च का इस्तेमाल सब्जी, दाल, सलाद, सैंडविच जैसी तमाम डिशों में बड़े पैमाने में इस्तेमाल किया जाता है। काली मिर्च वो मसाला है, जिसकी एक छोटी-सी चुटकी किसी भी खाने के स्वाद को न सिर्फ बदल देती है बल्कि कई गुना बढ़ा भी देती है। लेकिन, ज्यादातर लोगों को लगता है कि काली मिर्च का इस्तेमाल सिर्फ खाने को स्वादिष्ट बनाने के लिए ही किया जाता है। जबकि सच्चाई तो ये है कि काली मिर्च कई औषधीय गुणों से भरपूर है, जिसे कई रोगों में इस्तेमाल किया जाता है। आमतौर पर ठंड के दिनों में काली मिर्च का ज्यादा इस्तेमाल होता है। ठंड के मौसम में काली मिर्च सिर्फ सर्दी से ही नहीं बल्कि सर्दी से होने वाली गले से संबंधित समस्याओं को भी दूर रखता है। इतना ही नहीं, काली मिर्च नपुंसकता, अनियमित पीरियड्स, स्किन से जुड़ी दिक्कतें, बुखार और कुष्ठ रोग जैसे कई रोगों में काफी लाभकारी होता है।

-काली मिर्च हमारी आंखों के लिए भी काफी लाभदायक होता है।

-काली मिर्च में पके तेल से मालिश करने से जोड़ों के दर्द, गठिया, लकवा और खुजली में बहुत आराम मिलता है।

- काली मिर्च के इस्तेमाल से सिर में होने वाले जूं से भी आजादी पाई जा सकती है।

कई रोगों में जबरदस्त लाभ पहुंचाती है काली मिर्च

खांसी-जुकाम में काली मिर्च जबरदस्त लाभ पहुंचाता है। मुंह के छाले और दांत दर्द में भी काली मिर्च से बहुत राहत मिलती है।

दस्त, पेट से जुड़ी समस्याएं, बवासीर, फोड़े-फुंसी, सूजन, घाव सुखाने आदि में भी काली मिर्च बहुत असरदार होती है। इतना नहीं, काली मिर्च से शारीरिक कमजोरी दूर होती है और शरीर ताकतवर बनता है।

बताते चलें कि काली मिर्च की मदद से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं। काली मिर्च एक ऐसा मसाला है, जो बाजार में बहुत आसानी से मिल जाता है।

रायता हिल्स की खूबसूरत वादियां देख छूमंतर हो जाएगी थकान, एक बार जरूर करें एक्सप्लोर

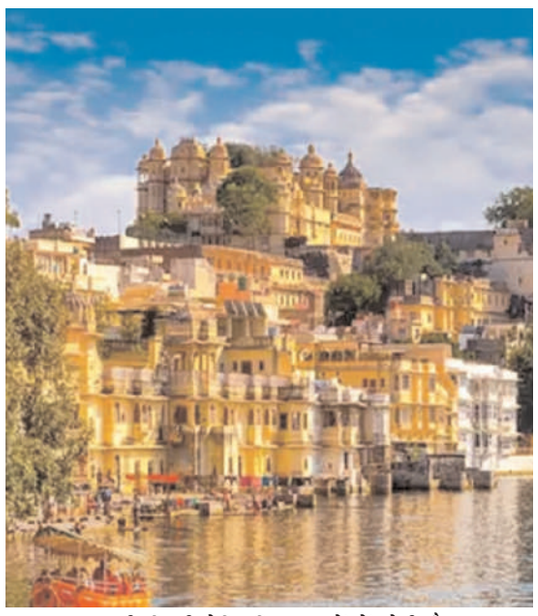

उदयपुर की गिनती ऐतिहासिक शहरों में होती है। जहां पर आपको कई एक से एक महल देखने को मिल जाएंगे। बता दें कि क्षेत्रफल की दृष्टि से यह भारत का सबसे बड़ा राज्य माना जाता है। वहीं इस शहर में हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। अक्सर लोग यहां पर झील में बना लेक पैलेस देखने के लिए आते हैं। इस महल को जग निवास महल के नाम से जाना जाता था। लेकिन समय के साथ ही इस महल को होटल में बदल दिया गया। वहीं यहां पर आप महाराणा उदय सिंह द्वारा निर्माण किए गए सिटी पैलेस और मेवाड़ के राजा महाराणा सज्जन सिंह द्वारा बनवाए गए मानसून पैलेस को भी देख सकते हैं। बरसात के मौसम में बादलों का आनंद लेने के लिए आप उदयपुर घूमने का प्लान बना सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यहां पर मौजूद रायता हिल्स के बारे में जानते होंगे। ऐसे में अगर आप भी उदयपुर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको रायता हिल्स जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। बता दें कि उदयपुर के एक छोटे से गांव में रायता हिल्स स्थित है। इस जगह पर सिर्फ 150 घर हैं और यहां की आबादी मात्र 650 ही है। उदयपुर से इस जगह की दूरी 28 किमी है। रायता हिल्स की हरी-भरी घाटियां और प्राकृतिक सुंदरता लोगों का मन मोह लेती है। मानसून के दौरान यहां पर यात्रा करने सबसे अच्छा माना जाता है। क्योंकि इस दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी। रायता हिल्स बेहद शांत जगह हैं। ऐसे में आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। वहीं ठंड के मौसम में आपको हरे-भरे पहाड़ों के स्थान पर लाल रंग के पहाड़ देखने को मिलेंगे। अधिकतर कपल्स यहां पर फोटोशूट के लिए आते हैं। क्योंकि यह बेहद शांत और ट्रैवल के लिए बेस्ट जगह है। लेकिन आप इस स्थान पर सिर्फ बाइक व कार के माध्यम से ही आ सकते हैं। वहीं अगर आप अकेले यहां पर घूमने आ रहे हैं, तो आप रेंट पर स्कूटी भी ले सकते हैं। जब आप रायता हिल्स से उदयपुर वापस जाएंगे तो आपको बड़ी लेक देखने को मिलेगी। रायता हिल्स से बड़ी लेक की दूर सिर्फ 1 घंटे की है। यहां पर आपको रास्ते में कई झरने आदि भी देखने को मिलेंगी। ऐसे में आपको एक बार रायता हिल्स जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौसम में उतार-चढ़ाव कर सकता है आपको बीमार, इन तरीकों से करें बचाव

मौसम में हो रहे बदलाव लगातार जारी हैं। तापमान भी लगातार बदल रहा है। कभी तेज धुप तो कभी तेज तो कभी घने बादल। ऐसे बदलते मौसम में तबीयत खराब होना भी काफी आम समस्या बन गया है। इस तरह लगातार मौसम में बदलाव होने की वजह से हमारे बीमार होने की जो संभावना है वह काफी हद तक बढ़ जाती है। ऐसे में हमें अलर्ट रहने की काफी ज्यादा जरुरत है। अगर हम अलर्ट न रहें तो इसका सीधा असर हमारे सेहत पर पड़ेगा और हम बीमार भी हो सकते हैं। आज हम आपको बता रहें हैं कि आप किस तरह इस बदलते हुए मौसम में खुद को सुरक्षित रखने के साथ मौसमी बीमारियों से बच सकते हैं।

एलर्जी से खुद को रखें सुरक्षित

मौसम में लगातर हो रहे बदलाव के दौरान बढ़ते प्रदूषण से एलर्जी के चान्सेज काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। इन सभी कारणों से भले ही आपको एलर्जी न हो लेकिन उन लोगों के लिए ये काफी परेशानी से भरा हो सकता है जो एलर्जी जैसी समस्या से लगातार गुजरते रहते हैं। मौसम में बदलाव के दौरान हो रहे एलर्जी की वजह से कई लोगों में सर्दी-खांसी जैसी समस्या आम बात है। तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से शरीर में एलर्जी उत्पन्न करने वाले केमिकल्स एक्टिव हो जाते हैं। इस दौरान सर्दी खांसी और स्किन से जुड़ी समस्या काफी आम बात हो जाती है। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के दौरान अस्थमा की समस्या भी काफी ज्यादा देखने को मिल जाती है जिस वजह से इस दौरान हमारे लिए खुद को सुरक्षित रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है।

एलर्जी से ऐसे रखें सुरक्षित

मौसम में बदलाव के दौरान होने वाले एलर्जी से अगर आप खुद को बचा कर रखना चाहते हैं तो आपके लिए कई बातों का ध्यान रखना बेहद ही जरूरी ह। सबसे पहली बात आपको अचानक से अपने गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करना बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि लगातार तापमान में हो रहे बदलाव से आपका शरीर एडजस्ट नहीं हो पाता है। मौसम में बदलाव के दौरान अगर आप खुद का ध्यान नहीं रखते हैं तो ऐसे में आपके बीमार होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

मौसम में बदलाव के दौरान सांस लेने में समस्या

मौसम में बदलाव के दौरान रेस्पिरेटरी संक्रमण फैलने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें रेस्पिरेटरी संक्रमण दो तरह के होते हैं। पहला, वायरल निमोनिया जिसे आम भाषा में हम इंफ्लूएंजा या फिर फ्लू के नाम स जानते हैं और दूसरा कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया या फिर बैक्टीरियल निमोनिया के नाम से जाना जाता है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को इस दौरान सबसे ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है। जिन लोगों को अस्थमा या किडनी की समस्या रहती है उन लोगों में कई गंभीर लक्षण दिखाई दे सकते हैं। परेशानी अगर ज्यादा बढ़ जाए तो कई बार अस्पताल में भर्ती होने की नौबत भी आ सकती है।

ऐसे करें बचाव

बदलते मौसम के दौरान अगर आप इस तरह की कोई भी समस्या हो तो जल्द से जल्द डॉक्टर के पास जाएं। आपको इस बात की जांच भी करवा लेनी चाहिए कि जो संक्रमण है वह वायरल है या फिर बैक्टीरिय। आपको इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि आप अपनी मर्जी से कोई भी दवाई का सेवन न करें। बता दें अगर आपकी समस्या लंग्स से जुड़ी हुई है तो ऐसे में डॉक्टर इस बात का फैसला करेंगे कि आपको एंटीवायरल की जरूरत है या एंटीबायोटिक की। अगर आपको फीवर के साथ इन्फेक्शन के कुछ अन्य लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत और गाढ़ा पीला बलगम दिखाई दे तो ऐसे में तुरंत ही डॉक्टर की सलाह लें।

मंत्री अनिल राजभर ने रामचंदीपूर में किया रात्रि प्रवास

गांव चलो अभियान में ग्राम सभा के लोगों से हुए रूबरू, गिनाई सरकार की उपलब्धियां और ग्रामीणों का सुना हाल

प्रखर वाराणसी। शिवपुर विधानसभा के विधायक और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने शिवपुर विधानसभा के बाढ़ प्रभावित ढाब क्षेत्र के ग्रामसभा रामचंदीपुर में सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए गांव चलो अभियान के तहत रात्रि विश्राम किया और वहां उपस्थित ग्राम वासियों के बीच सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उनकी समस्याएं भी सुनी । बता दें कि इसी साल अप्रैल और मई के मध्य लोकसभा चुनाव होने निश्चित है इसी की तैयारी भारतीय जनता पार्टी की तरफ से लगातार चल रही है एक तरफ जहां सरकार अपनी उपलब्धियां को गिनाने के लिए अपने मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों को रात्रि प्रवास कार्यक्रम के तहत गांव चलो अभियान में उन्हें 24 घंटे के लिए एक ग्राम सभा में रुकने का निर्देश दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ सरकार के अधिकारी ग्राम सभाओं के संपर्क में लगातार बने हुए हैं और सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं के लाभान्वितों और पात्रों से मिलकर उनकी समस्याओं का लगातार निराकरण करा रहे हैं। इसी रात्रि प्रवास योजना के अंतर्गत कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने अपने विधानसभा के रामचंदीपुर ग्राम सभा में ग्राम प्रधान प्रमोद निषाद के यहां रात्रि विश्राम किया और वहां पर सरकार की उपलब्धियां को गिनाते हुए गांव के महिलाओं की समस्याएं और उनकी जरूरतो के हिसाब से अधिकारियों से उनकी समस्याओं का जल्द निराकरण का निर्देश दिया। गौरतलब है की मंत्री के आगमन और रात्रि प्रवास की जानकारी होने के बाद आसपास के कई गांव के लोग वहां इकट्ठा हुए और सरकार की उपलब्धियां को सुना ,जिसे बाकायदा मंत्री अनिल राजभर द्वारा उन्हें बताया गया ।

अनिल राजभर ने वहां पर मौजूद जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मात्र 9 सालों में मोदी सरकार ने जिस तरह से गरीबों की भलाई के लिए तमाम योजनाओं की शुरूआत किया और उसे भ्रष्टाचार मुक्त बनाते हुए धरातल पर उतारा है वह अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है । उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से तत्कालीन सरकारों ने जिस तरह से जनता को गुमराह करते हुए उन्हें उनके मौलिक अधिकारों से वंचित रखा और उन्हें मुख्य धारा से दूर रखते हुए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी जिस कारण आज समाज में इस तरह की स्थिति है कि विकास कुछ लोगों का हुआ बाकी लोग आज भी जिंदगी की जद्दोजहद से जूझ रहे हैं । उन्होंने प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह से पूरे प्रदेश में इस समय शांति व्यवस्था और अनुशासन कायम है वह अभूतपूर्व है। अपराधियों में इस तरह का खौफ है कि अपराधियों ने यह प्रदेश ही छोड़ दिया है । जिसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि तमाम कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए आतुर है और यह प्रदेश विकास के पथ पर लगातार अग्रसर है । कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रमोद निषाद मंत्री प्रतिनिधि संजय सिंह , किसान मोर्चा के ज़िला उपाध्यक्ष प्रवीण रघुवंशी, गणेश सिंह, पंकज सिंह, संजीव सिंह, छोटू निषाद, राम प्रकाश, अतुल, अमित, विकास संजय सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ 95 बालियन सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में असि घाट से लेकर तुलसी घाट तक चला स्वच्छता अभियान

प्रखर वाराणसी। सीआरपीएफ 95 बालियन सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में असि घाट से लेकर तुलसी घाट तक चला स्वच्छता अभियान, माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के मिशन क्लीन गंगा एवं ग्रीन गंगा के तहत वाराणसी के कमिश्नर श्री कौशल राज शर्मा के निर्देशन में एवं कमान्डेंट अनिल कुमार बृक्ष जी के मार्गदर्शन में सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड अंबेसेडर अनिल कुमार सिंह के अगुवाई तथा नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार की टीम के साथ चलाया गया स्वच्छता अभियान संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने सभी को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई हम सबने यह ठाना है काशी को स्वच्छ बनाना है नारे के साथ प्रवीण सिंह की टीम सृजन सामाजिक विकास न्यास की टीम एवं नगर निगम ने स्वच्छता की रैली निकाल कर नाविकों घाट के पंडे पुजारी एवं दर्शकों को गंदगी न करने का संदेश दिया,नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वच्छता में काशी को नं 1 पायदान पर पहुंचाने हेतु संकल्प लिया,इस कार्यक्रम में श्री नवनीत कुमार,श्री उमाकांत ओझा उप कमांडेंट निरीक्षक प्रिंस सिंह एवं भारी संख्या में 95 बटालियन के जवानों ने भाग लिया।

ग्लोबल हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन

प्रखर केराकत। विकासखंड केराकत के ग्लोबल हॉस्पिटल रतनपुर में सुबह 10:00 बजे से वाराणसी से आए दो चिकित्सकों द्वारा शाम 4:00 बजे तक लगभग 500 मरीजो का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई,

लगभग 500 मरीजों का हुआ निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व वितरित की गई दवा

अस्पताल के डायरेक्टर बंटी सिंह ने बताया कि ग्रामीण परिवेश में आर्थिक रूप से कमजोर व वाराणसी ना जा पाने के कारण लोग अच्छे इलाज से वंचित रह जाते हैं, इसी को देखते हुए बाजार में इस अस्पताल का निर्माण कराया गया व उसके बाद बनारस से कुशल चिकित्सकों को बुलाकर समय-समय पर लोगों का उपचार कराकर दवा वितरण किया जाता है, वाराणसी से हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत सिंह व हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक राय द्वारा मरीज का चिकित्सकीय परीक्षण कर दवा वितरित करते हुए उचित सलाह प्रदान की गई, इस दौरान अस्पताल परिसर में आए मरीजों के चेहरे पर साफ खुशी देखी जा सकती थी, डायरेक्टर बंटी सिंह ने कहा कि ऐसे कार्य से पुण्य लाभ मिलता है, व स्थानीय स्तर पर मदद करके सुकून मिलता है, आगे भी ऐसे कार्य हमारे अस्पताल द्वारा होता रहेगा। इस दौरान डॉ. शैलेन्द्र कुमार व डॉक्टर नीरज सिंह ने भी आये मरीजो के इलाज में लगे रहे।

बिरनो में हुआ मानसिक रोग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, सैकड़ों को दिया परमर्श

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को मानसिक रोग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनो पर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिरनो ब्लॉक के प्रमुख राजन सिंह रहे। ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह के द्वारा फीता काटकर मानसिक शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर आए हुए सैकड़ों मानसिक रोगियों को विचार विमर्श और परामर्श दिया गया। शिविर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सीपी मिश्रा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के बिना हमारे पूर्ण स्वास्थ्य की परिकल्पना संभव नहीं है। जहां तक देखा जाए मानसिक स्वास्थ्य ऐसा विषय है जिस पर लोगों को खुलकर बात करना पसंद नहीं करते हैं ।और इसके कारण अपना ही हानि कर बैठते हैं जबकि प्रारंभिक चरण में एक दूसरे को हम विचार विमर्श के माध्यम से ही इस बीमारी से निजात दिला सकते हैं। इस समय हमें समझ में व्याप्त मानसिक रोगों के प्रति जो भी भ्रांतियां हैं उन्हें समाप्त करने की आवश्यकता है। बिरनो ब्लॉक प्रमुख राजन सिंह ने कहा किया परिवार के सदस्यों और समाज की जिम्मेदारी है कि मानसिक रोगियों को अकेला ना छोड़े उसे किसी ने किसी कार्य में व्यस्त रखें। समय अनुसार उनकी दवाइयां खाने को प्रोत्साहित करें हमेशा उनके मनोबल को बढ़ाते हुए एक दूसरे के साथ बैठकर खान-पान करें व्यायाम खेल कूद गीत संगीत मनोरंजन आदि में प्रोत्साहित करें आज हमें बच्चों को ऐसी शिक्षा देने की आवश्यकता है जिससे हमारे बच्चे संस्कारवान बने जीवन जीने की कला सीखे और समाज में संघर्ष करने की कला को भी सीखें। डा एम एल निगम ने मानसिक बीमारी पर विस्तार से चर्चा करते हुए अवसाद, आत्महत्या से बचाव , तनाव, चिंता, पैनिक अटैक, बायपोलर, डिसऑर्डर ऑब्सेसिसेव, कंपल्सिव, डिसऑर्डर, मनोग्रसित बाध्यता विकास, अल्जाइमर, नशे की आदत, आटिज्म पर विस्तार से चर्चा करते हुए इन बीमारियों के लक्षण निदान और उपचार पर विस्तार से चर्चा करते हुए क्या करें क्या ना करें इस पर भी विस्तार से समझाया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में डॉक्टर प्रदीप वर्मा, डॉक्टर एम एल निगम, डॉक्टर तारीक बीपीएम प्रमोद यादव, वार्डबॉय पंकज सिंह ,सच्चिदानंद सिंह ,गुड्डू गुप्ता, रामनवल यादव, कार्तिक प्रधान आदि लोग उपस्थित रहे।

नाव चालक हड़ताल पर गंगा सफाई ठप

सात महीने से भुगतान का मामला अटका, निवर्तमान एनएसए हमेशा से रहे सवालों के घेरे में

प्रखर वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में गंगा सफाई अचानक ठप हो गई है ।बता दे की नाव संचालकों ने इसके पहले अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि अगर उन्हें पारिश्रमिक नहीं मिला तो वह नाव का संचालन ठप कर देंगे। बावजूद इसके अधिकारियों ने इन मजदूरों और छोटे वेंडरों के शिकायत को नजर अंदाज किया जिसका परिणाम यह रहा की नाव संचालक हड़ताल पर चले गए हैं । जिसकी वजह से वाराणसी मे गंगा सफाई अभियान लगभग ठप हो गया है। इस संदर्भ में नाव की सप्लाई देने वाले रमेश कुमार से बातचीत हुई रमेश कुमार ने बताया कि उन्होंने इस संदर्भ में निवर्तमान नगर स्वास्थ्य अधिकारी एनके सिंह को सूचित किया था इसके अलावा अपर आयुक्त को भी उन्होंने इसकी सूचना दी थी लेकीन उसके उनका भुगतान नहीं किया गया जिसकी वजह से वह संचालकों का भुगतान नहीं कर सके जिस कारण संचालकों ने अचानक काम ठप कर दिया है। रमेश कुमार ने बताया कि पिछले 7 महीने से उन्हें कोई भुगतान नहीं दिया गया है लेकिन उन्होंने उन्होंने किसी तरह से व्यवस्था करके नाव संचालकों के पारिश्रमीक को देने का लगातार प्रयास किया लेकिन अब बात उनके सामर्थ्य से बाहर है । उन्होंने कहा कि बार-बार सूचित करने के बाद भी नगर स्वास्थ्य अधिकारी और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं की गई और उन लोगों ने इन मजदूरों के समस्याओं को लगातार अनदेखा किया जिसका परिणाम यह है कि बनारस में गंगा सफाई अभियान लगभग ठप की स्थिति में है । सवाल यह है कि जहां एक तरफ सरकार गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए लगातार प्रयासरत है वहीं खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सदस्य क्षेत्र में इस तरह की घटना अपने आप में बड़े सवाल खड़े कर रही है। तत्कालीन नगर स्वास्थ्य अधिकारी एनके सिंह द्वारा पहले से चल रही टेंडर प्रक्रिया को रोक कर नगर निगम से सीधे सफाई की जिम्मेदारी ले लेना ही अपने आप में एक गलत फैसला था लेकिन किसी ने इसका पुरजोर विरोध नहीं किया जिसका परिणाम आप सबके सामने है कि अचानक गंगा सफाई अभियान लगभग ठप की स्थिति में आ गया है। अब सवाल यह है कि आखिर साल भर पहले की गई टेंडर प्रक्रिया को तत्कालीन अधिकारियों द्वारा क्यों नहीं लागू कराया गया आखिर इस दुर्व्यवस्था के पीछे अधिकारियों की क्या मनसा रही है।

विद्यार्थी डिग्री के साथ-साथ उद्यमी और रोजगारदाता बनें : विक्रम सिंह

देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचाने में युवा मदद करें : अनुराग पटेल

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में शनिवार को उद्यम अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल और इन्क्यूबेशन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह में बतौर मुख्य वक्ता उप्र. के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि विद्यार्थी डिग्री के साथ-साथ उद्यमी और रोजगारदाता बनें, यहीं सरकार की मंशा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थिति में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। कानून- व्यवस्था के सुधरने से प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए भारी संख्या में उद्योगपति आ रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाइन लगी है। उन्होंने कहा कि 2024 में दस लाख करोड़ का निवेश हुआ है। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अगर आपके पास कोई भी आइडिया और इनोवेशन है तो आप रोजगार के मोहताज नहीं रहेंगे। उन्होंने प्रदेश की विकास यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को दो करोड़ टैबलेट और स्मार्टफोन दिए गए हैं। विद्यार्थी इसका प्रयोग सकारात्मकता के साथ करें। 55 फीसदी हाइवे और 454 निवेश मित्र समेत कई बड़ी योजनाएं प्रदेश में हैं। इसी के साथ 19 हजार एमओयू साइन हुए हैं, इससे प्रदेश में 35 लाख जॉब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह साबित करता है कि प्रदेश विकास की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रगति के लिए फोकस, डेली इम्प्रूबमेंट और टाइम का मंत्र दिया। कहा कि इसे अपनाकर आप हमेशा अपनी प्रगति की राह आसान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राममंदिर और कई धर्म सर्किट ने रोजगार के साधन पैदा किए हैं। उन्होंने टेक्नालॉजी का जिक्र करते हुए कहा कि ड्रोन टेक्नालॉजी एआई ने हर काम को मुमकिन कर दिया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्व विभाग के विशेष सचिव अनुराग पटेल ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रमुख मकसद विद्यार्थियों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आप पढ़- लिखकर सरकारी नौकरी की लालसा रखने की जगह उद्यमी बनकर नौकरीदाता बनें। उन्होंने कहा कि आप लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने अंदर जज्बा और जुनून पैदा करें। आंकड़े बताते हैं कि संगठित क्षेत्र में आठ फीसदी लोगों का 50 फीसदी और असंगठित क्षेत्र में 52 फीसदी लोगों का 50 फीसदी योगदान है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचाने में युवा मदद करें। इसके पूर्व उपायुक्त उद्योग केंद्र हरिप्रताप सिंह ने सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया और उसकी योजनाओं पर जिले में जो काम हो रहा है उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नोडल अधिकारी प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अपनी क्षमता को विकसित कर आत्मनिर्भर बनें और उसका उपयोग राष्ट्रनिर्माण में करें। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, उपकुलसचिव अमृतलाल, प्रो. विक्रम देव शर्मा, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ मनीष प्रताप सिंह, अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. पुनीत धवन, सुशील प्रजापति, डॉ. वनिता सिंह, अंकित सिंह आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

केआईटी में खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित

प्रखर वाराणसी। काशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने खिलाड़ियों के लिए एक समान समारोह का आयोजन किया। समारोह का आगाज अमरीश सिंह भोला, जिला विकास प्राधिकरण के सदस्य, ने वृक्षारोपण के साथ किया। इस समारोह का उद्देश्य खिलाड़ियों को सम्मानित करना था। छात्रों ने आईआईटी बीएचयू, आईआईटी कानपुर, और ए.के.टी.यू. विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रों ने सभी जगहों पर कॉलेज को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। विजेता टीम के नामों में कबड्डी, वॉलीबॉल, और एथलेटिक्स शामिल थे। काशी इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी के डायरेक्टर अशुतोष मिश्रा ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ए.के. यादव ने विशेष अतिथि का स्वागत किया। स्पोर्ट ऑफिसर अजय विक्रम ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह दिया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर अमृतेश सिंह ने विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। काशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के स्पोर्ट्स विभाग ने मेजर ध्यान चंद को भारत रत्न देने की मांग की। स्पोर्ट्स ऑफिसर अजय विक्रम ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

एसबीआई बैंक द्वारा एनआरआई सम्मेलन समारोह हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। स्टार होटल,ताज के गुलाब बाग में एसबीआई बैंक प्रशासनिक कार्यालय वाराणसी द्वारा एनआरआई ग्राहक सम्मेलन का शानदार आयोजन कराया गया। जिसमें बनारस घराना के संगीत एवम कत्थक माता प्रसाद द्वारा आयोजित किया गया। जो प्रवासी ग्राहकों को भाव विभोर हुए। जिसमें डी जीएम धीरज कुमार ऐओ वाराणसी, सुधांशु श्रीवास्तव क्षेत्रीय प्रबंधक प्रथम, शमशाद एजीएम एसबीआई शाखा प्रबंधक व एनआरआई शैली बाजपेई ने ग्राहकों का स्वागत किया वह हमसे चर्चा की ग्राहकों ने एसबीआई की इस पहल का स्वागत किया हुआ भविष्य में पुणे इस तरह के सम्मेलन का अनुरोध किया ।

लगातार तीसरी बार एबीपीएसएस प्रदेश अध्यक्ष बने अजय प्रताप

प्रखर कसया, कुशीनगर। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कलावाडिया ने अजय प्रताप नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष घोषित किया है। श्री सिंह को लगातार तीसरी बार प्रदेश बनने पर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति से जुड़े पत्रकारों ने बधाई दी है। हाल ही में छत्तीसगढ़ में संगठन की हुई बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी प्रदेश प्रवक्ता अशोक छौंकर ने दी। श्री सिंह के पुनः प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर विनय कांत मिश्र, हृदयानंद शर्मा, विनय उपाध्याय, अशोक कुमार, राज सिंह, राजकुमार भट्ट, मनोज पासवान, उपेंद्र कुशवाहा, खुर्शीद अहमद, कृष्ण कुमार राय, अनिल पाठक, अजय मिश्र, असलम अंसारी, शिव शंकर सिंह सूर्यवंशी, आफताब आलम, सुरेंद्र नाथ राय, गोपाल तिवारी, सुख सागर शर्मा, राजन सिंह, प्रेम शंकर सिंह, बीबी त्रिपाठी, मनीष यादव, पवन शर्मा, अशफाक अहमद, विजय राव, विनय तिवारी, अनिल त्रिपाठी, सुधाकर उपाध्याय, विजय तिवारी, आदित्य दीक्षित, चंद्रपाल सिंह, मिंटू लारी, मंतोष जायसवाल, राज पाठक, मनीष यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

महोत्सव की भव्यता को लेकर थाई मन्दिर में हुई बैठक

प्रखर कसया, कुशीनगर। माघी पूर्णिमा के अवसर पर 21 फरवरी से अयोजित होने वाले तीन दिवसीय थाई महोत्सव को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर बुद्धा मार्ग स्थित थाई बुद्धिस्ट मोनेस्ट्र में बैठक कर कार्य योजना बनाई गई। थाई मोनेस्ट्री के मुख्य भिक्षु डॉ पी सोम पोंग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में थाई महोत्सव को लेकर चर्चा की गई। थाई महोत्सव में विशेष पूजन, बुद्ध धातु शोभायात्रा, सांस्कृतिक व रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित है। टेम्पल के अम्बिकेश त्रिपाठी ने बताया कि 23 फरवरी को थाई टेम्पल से मुख्य मंदिर तक शोभायात्रा निकलेगी जबकि दूसरे दिन 24 फरवरी को मुख्य मंदिर से रामा भार स्तुप तक शोभायात्रा भिक्षुओं द्वारा निकाली जाएगी। सांस्कृतिक, झांकियों व अन्य कार्यक्रमों में लीन्ह सन इंटर कालेज, लोहिया पब्लिक स्कूल, छत्रपति शिवाजी इंटर कालेज, एमएएमयू हाईस्कूल, सरस्वती ज्ञान मन्दिर, बुद्ध इंटरनेशनल स्कूल, लार्ड बुद्धा सीबी पब्लिक स्कूल सहित 30 स्कूलों के बच्चे लेंगे। इस दौरान भन्ते पी सों क्रान, भन्ते डॉ किती फान, अम्बिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, गौतम शर्मा, विवेक कुमार गोंड़, सूरज, राजेश सिंह, विनोद जायसवाल सहित विद्यालयों के प्रबन्धक/प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं